twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 30 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 200, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

'पाक समझ ले, तीन बार घर में घुसकर मारा है तुम्हे'

बंगाल में प्रधानमंत्री ने ममता सरकार को घेरा- केंद्र की योजनाओं को राज्य में लागू नहीं होने दे रही

अलीपुरद्वार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बंगाल की धरती से सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता अब राज्य सरकार के सिस्टम पर भरोसा नहीं कर पा रही है और उसे न्याय की उम्मीद सिर्फ कोर्ट से है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य हिंसा, अराजकता, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के चक्रव्यूह में फंसा हुआ है। ऐसे में राज्य की जनता कह रही है कि बंगाल में मची चीख-पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार। पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने एक बार फिर पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा, आज जब सिंदूर खेला की इस धरती पर आया हूं तो आतंकवाद को लेकर भारत के नए संकल्प की चर्चा स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि भारत अब पहले जैसा नहीं रहा। हमारी सेना ने आतंकियों को सिंदूर की शक्ति का अहसास करा दिया है। पाकिस्तान को समझ लेना चाहिए कि अब भारत घर में घुसकर मारता है। उन्होंने पाकिस्तान पर आरोप लगाया कि उसकी सेना की विशेषज्ञता केवल आतंक और नरसंहार में है।

उन्होंने 1971 में बांग्लादेश में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए अत्याचारों का भी उल्लेख किया।

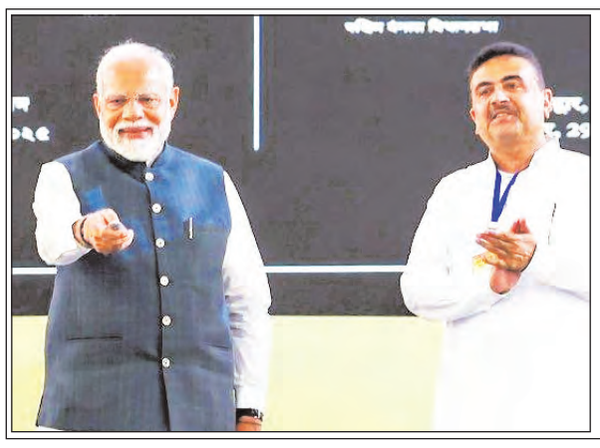

मोदी की नीति फूट डालो और राज करो की: ममता बनर्जी

ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। इतना ही नहीं सूबे की मुखिया ममता बनर्जी ने पीएम पर पलटवार करते हुए उन्हें चुनाव में उतरने की चेतावनी तक दे डाली। ममता बनर्जी ने कहा कि पीएम मोदी की मौजूदगी में उनके मंत्री कह रहे हैं कि अब वे ऑपरेशन सिंदूर की तरह ऑपरेशन बंगाल करेंगे मैं उन्हें चुनौती देती हूं अगर उनमें हिम्मत है, तो कल चुनाव में उतरें। अलीपुरद्वार में प्रधानमंत्री की रैली के बाद बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि मोदी की नीति फूट डालो और राज करो की है।

'केंद्र की योजनाओं को लागू नहीं कर रही ममता सरकार'

पीएम ने कहा जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार बढ़ाने के लिए शुरू की गई पीएम जनमन योजना को भी तृणमूल सरकार ने राज्य में लागू नहीं किया। उन्होंने कहा कि तृणमूल सरकार आदिवासी समुदायों के साथ भी सौतेला व्यवहार कर रही है। भाजपा सरकार आदिवासी सम्मान और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन तृणमूल बार-बार उनकी उपेक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक कारीगरों के लिए बनाई गई योजनाओं के तहत पूरे देश में लाखों लोगों को ट्रेनिंग, आधुनिक औजार और बिना गारंटी के लोन मिल रहे हैं लेकिन बंगाल में 8 लाख आवेदन लटके हुए हैं। प्रधानमंत्री ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शिक्षक भर्ती घोटाले ने हजारों परिवारों का भविष्य बर्बाद कर दिया है और अब भी राज्य सरकार अपनी गलती स्वीकार नहीं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चाय बागान मजदूरों की पीएफ राशि तक डकारने की कोशिश की जा रही है।

पश्चिम बंगाल एक साथ कई संकटों से घिरा हुआ: पीएम

उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल एक साथ कई संकटों से घिरा हुआ है। एक संकट समाज में फैली हिंसा और अराजकता का है। दूसरा संकट माताओं बहनों को असुरक्षा का है, उनके साथ हो रहे जघन्य अपराधों का है।

प्रधानमंत्री ने मुर्शिदाबाद और मालदा में हुई हिंसक घटनाओं के लिए तृणमूल सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि ये घटनायें तृणमूल सरकार की निर्ममता का खुला प्रमाण हैं। राज्य में माताएं-बहनें असुरक्षित हैं, युवाओं में घोर निराशा है और गरीबों का हक सत्ता की स्वार्थी राजनीति की भेंट चढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल को देश की प्रगति में महत्त्वपूर्ण

बंगाल को मेक इन इंडिया का हब बनाएंगे: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

बंगाल को मेक इन इंडिया और ज्ञान-विज्ञान का केंद्र बनाने का आह्वान किया। मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार 'पूर्वोदय' की नीति पर चलते हुए पूर्वी भारत के विकास के लिए हजारों करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। कालीयानी एम्स, न्यू अलीपुरद्वार रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) जैसी परियोजनाएं इसी का उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर चलते हुए भाजपा सरकार बंगाल को एक समृद्ध राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आयुष्मान भारत योजना से जहां देशभर के बुजुर्गों को 5 लाख रुपये तक की मुफ्त चिकित्सा मिल रही है, वहीं बंगाल के बुजुर्ग इस सुविधा से वंचित हैं।

जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार बढ़ाने के लिए शुरू की गई पीएम जनमन योजना को भी तृणमूल सरकार ने राज्य में लागू नहीं किया। उन्होंने कहा कि तृणमूल सरकार आदिवासी समुदायों के साथ भी सौतेला व्यवहार कर रही है। भाजपा सरकार आदिवासी सम्मान और विकास के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन तृणमूल बार-बार उनकी उपेक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक कारीगरों के लिए बनाई गई योजनाओं के तहत पूरे देश में लाखों लोगों को ट्रेनिंग, आधुनिक औजार और बिना गारंटी के लोन मिल रहे हैं लेकिन बंगाल में 8 लाख आवेदन लटके हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट को मिले तीन नये जज

नई दिल्ली। कॉलेजियम की सिफारिश को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मंजूरी मिलने के बाद गुरुवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में तीन नये जजों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 26 मई को कर्नाटक हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी अंजारिया, गौहाटी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस विजय बिश्नोई और बांबे हाई कोर्ट के जज जस्टिस एएस चंदूरकर को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त करने की अनुशंसा की थी। राष्ट्रपति ने इन नियुक्तियों पर अपनी मुहर लगा दी।

एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष से मिलीं वित्त मंत्री

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को नई दिल्ली में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसातो कांडा से मुलाकात की। उन्होंने इस मुलाकात के दौरान रोजगार सृजन सहित एकीकृत ग्रामीण समृद्धि पहल के लिए अधिक समर्थन मांगा।

सेवानिवृत्त होने पर जवान को मिलेगा उच्च मानद रैंक

नई दिल्ली

गृह मंत्रालय ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और असम राइफल्स (एआर) के जवानों के सम्मान में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। ऑफिसर रैंक से नीचे के जवानों को सेवानिवृत्ति के दिन एक पद उच्च मानद रैंक दिया जाएगा। इसकी जानकारी आज गृह मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के अनुसार इस योजना का उद्देश्य जवानों के आत्मसम्मान और मनोबल को बढ़ावा देना है। लंबी और अनुकरणीय सेवा देने वाले जवानों को यह रैंक दिया जाएगा। इसके लिए कुछ शर्तें तय की गई हैं।

शराब पीकर इंसान जानवर बन जाता है: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि शराब पीने के बाद इंसान जानवर बन जाता है। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को एक हृदय रोग विशेषज्ञ की उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें उसने अपनी सात वर्षीय बेटी के साथ यौन उत्पीड़न के लिए सजा को निलंबित करने की मांग की थी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को लोक नायक जय प्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अस्पताल में मेडिकल जेनेटिक्स वार्ड, न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग लैब और स्तनपान प्रबंधन यूनिट जैसी तीन नई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। मौके पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

जातिगत आंकड़े एकीकरण के उपकरण बन सकते हैं: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज केन्द्र सरकार की ओर से जाति आधारित जनगणना कराए जाने के निर्णय को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि इससे सामाजिक न्याय सुनिश्चित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जातिगत आंकड़े विभाजनकारी नहीं हैं, बल्कि एकीकरण के उपकरण बन सकते हैं। उपराष्ट्रपति ने आज नई दिल्ली में भारतीय सांख्यिकी सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित किया।

उन्होंने जातिगत जणगणना के निर्णय को परिवर्तनकारी और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बताया। उन्होंने कहा, जातिगत आंकड़े, यदि सोच-समझकर एकत्र किए जाएं तो वे किसी भी प्रकार से विभाजनकारी नहीं हैं, बल्कि वे एकीकरण के उपकरण बन सकते हैं। कुछ लोग इस पर बहस कर रहे हैं, लेकिन हम परिपक्व समाज हैं। किसी जानकारी को इकट्ठा करना समस्या कैसे हो सकता है? यह तो अपने शरीर की एमआरआई कराने जैसा है-तभी तो आपको अपने बारे में जानकारी मिलती है। इस प्रक्रिया से हम संविधान में निहित समानता जैसे अमूर्त संकल्पों को मापनीय और जवाबदेह नीतिगत परिणामों में परिवर्तित कर सकते हैं।

वायु सेना प्रमुख एपी सिंह ने रक्षा परियोजनाओं में देरी पर जताई चिंता

नई दिल्ली

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को 'राष्ट्रीय विजय' बताते हुए एक बार फिर रक्षा परियोजनाओं में लगातार हो रही देरी पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि दुनिया की मौजूदा स्थिति ने हमें एहसास दिलाया है कि 'आत्मनिर्भरता' ही एकमात्र समाधान है, हमें अभी से भविष्य के लिए तैयार रहना होगा। नौसेना प्रमुख ने भी कहा कि युद्ध का स्वरूप बदल रहा है। हर दिन हम नई तकनीकें खोज रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें यह स्पष्ट रूप से बताया है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं और भविष्य में हमें क्या चाहिए। वायु सेना और नौसेना के प्रमुख ने गुरुवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कई तरह की चिंताएं जताईं। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने कहा कि एक ऐसा समय था, जब हमें भारतीय उद्योग पर हमेशा संदेह रहता था इसलिए हम बाहर की ओर अधिक देखते थे लेकिन पिछले एक दशक से अधिक समय में चीजें काफी बदल गई हैं। अब दुनिया की मौजूदा स्थिति ने हमें एहसास दिलाया है कि 'आत्मनिर्भरता' ही एकमात्र समाधान है, हमें अभी से भविष्य के लिए तैयार रहना होगा। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि समयसीमा एक बड़ा मुद्दा है। एक भी रक्षा परियोजना समय पर पूरी नहीं हुई है। इसलिए हमें इस पर गौर करना होगा। अनुबंध पर हस्ताक्षर करते समय हम ऐसा वादा क्यों करें, जो पूरा नहीं हो सकता? अनुबंध पर हस्ताक्षर करते समय कभी-कभी हमें यकीन होता है कि यह पूरा नहीं होने वाला है, लेकिन हम सिर्फ अनुबंध पर हस्ताक्षर करते हैं। फिर प्रक्रिया खराब हो जाती है। उन्होंने रक्षा परियोजनाओं में लगातार हो रही देरी पर गंभीर चिंता जताते हुए अवास्तविक समय सीमा के प्रणालीगत मुद्दे और परिचालन तत्परता पर उनके प्रभाव को उजागर किया।

सौर स्वरोजगार योजना से जुड़ी महिलाओं को सौर सखी नाम दिया: सीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना से जुड़ी महिलाओं को सौर सखी नाम दिया जायेगा। मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना और स्वरोजगार से जुड़ी अन्य योजनाओं को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने विकासखण्डों में विशेष शिविरों के आयोजन किये जायेंगे। सौर प्लांटों के रख-रखाव के लिए प्रत्येक जनपद में लोगों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। गुरूवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना के विकासकताओं के साथ मुख्य सेवक संवाद कार्यक्रम में यह घोषणा की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत राज्य में 250 मेगावाट का लक्ष्य पूर्ण किया जा चुका है। योजना को और विस्तार की दिशा में कार्य किये जा रहे हैं। सौर ऊर्जा का स्त्रोत असीमित होने के साथ ही पर्यावरण के अनुकूल भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सौर ऊर्जा के उपयोग को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, पीएम कुसुम जैसी योजनाओं के साथ ही भारत के नेतृत्व में इंटरनेशनल सोलर अलाइंस का गठन सौर ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कुत्ते ने लिफ्ट में पड़ोसी को काटा, कोर्ट ने मालिक को सुनाई 4 महीने की सजा

नई दिल्ली

देश में आए दिन कुत्ते के काटने के मामले सामने आते रहते हैं। कुत्ते कई बार इतने ज्यादा खतरनाक रूप ले लेते हैं कि अपने मालिक की जान ले लेते हैं। ऐसा ही एक मामला मुंबई से सामने आया है, जहां कोर्ट ने कुत्ते के मालिक को सजा दे दी है। मुंबई के वर्ली के एक 40 साल के व्यक्ति को चार महीने के जेल की सजा सुनाई गई है, क्योंकि उसके पालतू कुत्ते ने अपार्टमेंट की लिफ्ट के अंदर अपने पड़ोसी को काट लिया था।

कोर्ट ने सुनाई सजा

ऋषभ पटेल नामक व्यक्ति को पशु के साथ लापरवाही बरतने के आरोप में दोषी ठहराया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट सुहास भोसले ने फैसला सुनाते हुए कहा कि वह पटेल के साथ इस मामले में 'नरमी' नहीं बरतेंगे।

करनाल में भव्य तरीके से मनाई वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती

करनाल

हरियाणा में आज वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती को बड़े धूमधाम से मनाया गया, जिसमें सर्व समाज की भागीदारी रही। जिला करनाल के गांव सालवन में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने महाराणा प्रताप को नमन करते हुए कहा कि वे केवल योद्धा ही नहीं, बल्कि स्वाभिमान, शौर्य और बलिदान के जीवंत प्रतीक हैं। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सालवन गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम मोहन सिंह के नाम पर करने की घोषणा की। असंध में महाराणा प्रताप धर्मशाला बनवाने के लिए 21 लाख रुपये देने की भी घोषणा की।

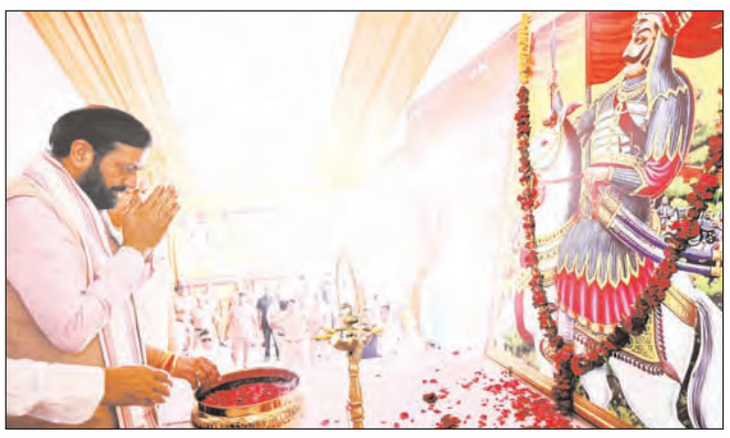

उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत सालवन द्वारा जमीन उपलब्ध करवाने पर खेल स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। असंध में एचएसवीपी का सेक्टर विकसित करने के संबंध में फिजिबिलिटी चैक करवाकर इसे विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने असंध ?विधानसभा क्षेत्र की 54 सड़कों, जिनकी लंबाई 186 किलोमीटर है, उनकी स्पेशल रिपेयर के लिए 88 करोड़ रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, 16 अन्य सड़कों, जिनकी लंबाई 91.49किलोमीटर है, की भी स्पेशल रिपेयर करवाई जाएगी। साथ ही, 123 किलोमीटर लंबाई की 41 अन्य सड़कों को भी ठीक करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव सालवन से निकल रही ड्रेन को भी पक्का किया जाएगा। नायब सिंह सैनी ने असंध बाइपास के सुदृढ़ीकरण के लिए 9 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। कोहंड से असंध रोड की स्पेशल रिपेयर के लिए 34 करोड़ 37 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि करनाल असंध रोड गांव जुंडला, जलमाणा में बाईपास के कार्य को भारत सरकार को भेज कर जल्द मंजूर करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने असंध विधानसभा क्षेत्र में सामुदायिक भवनों के निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की । इसके अलावा, असंध विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए अलग से 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

जो समाज एवं राष्ट्र अपने महापुरुषों को याद करता है, वह समृद्धि और प्रगति की ओर होता है अग्रसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो समाज एवं राष्ट्र अपने महापुरुषों, वीरों व शहीदों को याद करता है, उनका सम्मान करता है, वह सदा समृद्धि और प्रगति की ओर अग्रसर होता है। इसलिए, हमारी सरकार ने संतों-महापुरुषों की जयंतियों को सरकारी स्तर पर मनाने की पहल की। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पहले, केवल अपने परिवारों के महापुरुषों को ही याद किया जाता था। समाज से उन्हें कोई सरोकार नहीं था।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर सभी युद्धों में विजयी रहीं: बीएल संतोष

चाहे किसान की बात हो, चाहे महिला की बात हो, न्याय की बात हो, व्यापार की बात हो, प्रशासन की बात हो, चाहे ममता हो, रमता हो, चाहे समता हो, सभी विषयों के बारे में प्रदर्शनी लगी है।

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरूवार को लखनऊ के जीपीओ पार्क में लगी लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में पुण्यश्लोक अहिल्याबाई के जीवन के विविध पहलुओं को उजागर किया गया है। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष ने कहा कि लोकमाता ?अहिल्याबाई होलकर सभी युद्धों में विजयी रहीं। उन्होंने कहा कि आज शासन में महिलाओं को शासन में प्रतिनिधित्व देने की बात सोच रहे हैं, लेकिन जब प्रतिनिधित्व व सहभागिता की बात करते हैं तो 300 साल पहले हमारे देश में केवल प्रतिनिधित्व नहीं, केवल भागीदारी देने की बात इतना ही मात्र नहीं, बल्कि नेतृत्व देने का काम अहिल्याबाई ने किया। लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन के बारे में लोगों तक विषय पहुंचाने के लिए भाजपा ने देशभर में अभियान लिया है। बीएल संतोष ने कहा कि

चाहे किसान की बात हो, चाहे महिला की बात हो, न्याय की बात हो, व्यापार की बात हो, प्रशासन की बात हो, चाहे ममता हो, रमता हो, चाहे समता हो, सभी विषयों के बारे में प्रदर्शनी लगी है। हमारे देश में ऐसे नेतृत्व करने वाली महारानी थी। भारत नियम के कारण नहीं, बल्कि लंबी हमारी विरासत है। देश के लिए, जिन्होंने अपना जीवन दिया। उनमें एक महान विभूतिपुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना हैं कि अब हमें उनको प्रतिनिधित्व व सहभागिता देने में नहीं, बल्कि उनके नेतृत्व में कार्य करने की आदत डालनी चाहिए। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर समरसता की साक्षात मूर्ति थीं। उन्होंने शासन करते हुए देश के अनेक धर्मस्थलों का जीर्णोद्धार कराया। उत्तर प्रदेश में भी उन्होंने अनेक स्थलों का जीर्णोद्धार कराया। महेश्वर में उनके समय में शुरू कराया गया साड़ी उद्योग आज भी प्रसिद्ध है। बिना अतिरिक्त कर लगाये खजाने में वृद्धि हो सकती है। भ्रष्टाचार मुक्त शासन हो सकता है। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने कर दिखाया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि अपने को विकसित कहने वाले देशों में 19 वीं शताब्दी में महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला। लेकिन महारानी अहिल्याबाई ने उत्कृष्ट शासन व्यवस्था का संचालन किया। अपने राज्य की सीमाओं के बाहर उन्होंने मंदिरों का निर्माण कराया। इस अवसर पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, एमएलसी अंगद सिंह, अवनीश सिंह व भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा के प्रदेश महामंत्री व अभियान के प्रदेश संयोजक संजय राय ने किया।

घर-घर सिंदूर बांटने की मुहिम 'घटिया' राजनीति : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी की घर-घर जाकर सिंदूर बांटने की मुहिम को 'घटिया' सियासत बताया है। पार्टी का कहना है कि बड़े-बड़े पोस्टर से मन नहीं भरा तो अब भाजपा घर-घर जाकर सिंदूर बांटने की राजनीति कर रही है। कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी की नेता रागिनी नायक ने कहा कि सिंदूर का दुरुपयोग घटिया राजनीति है। यह बेहद शर्म की बात है कि अपनी राजनीतिक और कूटनीतिक विफलताओं को छुपाने के लिए मोदी सरकार मांग के सिंदूर को ढाल बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि सिंदूर भारत की नारी शक्ति की आन बान और शान है।उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर केंद्र सरकार महिलाओं को उपहार के स्वरूप में सिंदूर बांटने जा रही है। इसकी शुरुआत 9 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार शपथ लेने के दिन से शुरू होगी। इसका मकसद मोदी सरकार की उपलब्धियां को घर-घर तक पहुंचना है।

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में पकड़ा गया पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाला युवक

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने कांगड़ा जिला के देहरा से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान सुखाहर गांव के अभिषेक भारद्वाज (20) के रूप में हुई है। देहरा पुलिस उसे आज कोर्ट में पेश कर रिमांड की मांग करेगी। अभिषेक को हिरासत में लेकर लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। देहरा एसपी मयंक चौधरी ने बताया कि अभिषेक भारद्वाज के मोबाइल फोन से कुछ संवेदनशील दस्तावेज और फोटो बरामद हुए हैं। डेटा को फॉरेंसिक लैब में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद संदिग्ध गतिविधियों के कारण अभिषेक पर नजर रखी जा रही थी। आरोपित युवक ने कुबूल किया है कि वह सोशल मीडिया के माध्यम से सूचनाएं पाकिस्तान भेजता था। उन्होंने बताया कि आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वह कॉलेज की पढ़ाई बीच में छोड़ चुका है। देहरा पुलिस ने इसकी सूचना राज्य और केंद्र की खुफिया एजेंसियों की दी है।

डबल इंजन की सरकार में जिन्हें बिहार का विकास नहीं दिखता, वे चश्मा बदलवा लें : गिरिराज सिंह

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को बिहार की दो दिवसीय यात्रा पर पटना आने वाले हैं। पीएम मोदी के बिहार आगमन को लेकर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह है। पीएम पटना में एक रोड शो में भी शामिल होंगे। इससे पहले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार में जिन्हें बिहार का विकास नहीं दिखता, वे चश्मा बदलवा लें। पटना के रानी सती मंदिर में श्री विद्या त्रिकोटी कुमकुमार्चन महायज्ञ में पहुंचे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि जो माताएं यहां उपस्थित हैं, सभी पीएम मोदी को 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए आशीर्वाद दे रही हैं। आतंकवाद के खिलाफ ऐसा ऑपरेशन कभी नहीं हुआ था। आज पीएम मोदी बिहार पधार रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार है। पीएम मोदी बिहार के विकास के लिए आते हैं। उनका मानना है कि बिहार के विकसित हुए बिना भारत विकसित नहीं होगा। जब से बिहार में डबल इंजन की सरकार है, प्रदेश में विकास हो रहा है। पीएम मोदी यहां कई योजनाओं की सौगात देंगे। इसी को तो विकास कहते हैं। उन्होंने कहा कि पहले बक्सर जाने में चार-पांच घंटे लगते थे, अब दो घंटे में लोग चले जा रहे हैं। सभी क्षेत्रों में विकास हुआ है। पहले लालू यादव भी पांच घंटे में बक्सर से पटना आते थे। उन्होंने कहा कि पीएम जितनी बार बिहार आते हैं, वह विकास में मील का पत्थर साबित होता है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार के लोग पीएम मोदी के स्वागत के लिए पलकें बिछाए बैठे हुए हैं। लाखों की संख्या में लोग उनका स्वागत करेंगे। रोड शो में लोग अपने प्रधानमंत्री का अभिवादन करेंगे। पीएम मोदी के स्वागत के लिए पटना तैयार है। लोजपा (रामविलास) के सांसद अरुण भारती ने कहा कि पीएम मोदी ने जिस तरह बिहार को अपने विकास के एजेंडे में रखा है और वे अपने वादों को जिस तरह पूरा करने का दायित्व निभा रहे हैं, उसी सिलसिले में वह गुरुवार को बिहार पहुंच रहे हैं। वह पटना हवाई अड्डे के नवनिर्मित टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे और इसके बाद विक्रमगंज के कार्यक्रम में नवीनगर में एनटीपीसी के बनने वाले प्लांट का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही कई और सौगातें भी देंगे। बिहार के विकास की गति के लिए कई और योजनाओं की घोषणा करेंगे।

'लोग पीएम मोदी के स्वागत के लिए पलकें बिछाए बैठे हुए हैं। लाखों की संख्या में लोग उनका स्वागत करेंगे।'

पश्चिम बंगाल में पीएम मोदी की हुंकार, बोले-

'प्रदेश में मची है चीख पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार'

एजेंसी

अलीपुरद्वार । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में एक जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने टीएमसी को 'निर्मम सरकार' करार देते हुए कहा कि यह सरकार गरीबों और आम लोगों के हितों के खिलाफ काम कर रही है। पीएम मोदी ने यहां मंच से कहा कि बंगाल की जनता कह रही है कि 'मची है चीख पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार।' पीएम मोदी ने मुर्शिदाबाद और मालदा की घटनाओं का जिक्र करते हुए टीएमसी सरकार के समय में प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए। जनसभा के दौरान मंच से पीएम मोदी ने अलीपुरद्वार और कूचबिहार में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी। इस परियोजना से 2.5 लाख से अधिक घरों में पाइपलाइन के जरिए सस्ती और सुरक्षित गैस आपूर्ति होगी। इससे न केवल सिलेंडर खरीदने की परेशानी खत्म होगी, बल्कि परिवारों को स्वच्छ ऊर्जा भी मिलेगी। पीएम ने इसे सरकार की डोरस्टेप डिलीवरी का उदाहरण बताया। आयुष्मान योजना का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना के तहत देशभर में करोड़ों लोगों को मुफ्त इलाज मिल रहा है, जिसमें 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग भी शामिल हैं। लेकिन पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार ने इस योजना को लागू नहीं होने दिया, जिसके कारण राज्य के लोग इस लाभ से वंचित हैं। इसके अलावा, केंद्र सरकार की गरीबों को पक्का मकान देने की योजना का जिक्र करते हुए पीएम ने आरोप लगाया कि टीएमसी के लोग गरीबों से 'कट मनी' वसूल रहे हैं, जिसके कारण लाखों परिवारों को घर नहीं मिल पा रहा। पीएम ने विश्वकर्मा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस योजना के तहत देशभर में लाखों लोगों को प्रशिक्षण और आर्थिक मदद दी जा रही है। लेकिन पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार ने आठ लाख आवेदनों को लटका रखा है, जिससे यह योजना भी यहां लागू नहीं हो पा रही। पीएम ने टीएमसी सरकार पर शिक्षकों और बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का भी आरोप लगाया।

पीएम ने कहा कि टीएमसी ने चाय बागान में काम करने वाले श्रमिकों को भी नहीं बख्शा।

यूपी सरकार और ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की शिक्षा प्रणाली को वैश्विक उत्कृष्टता से जोड़ते यूपी सरकार और ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित मोनाश यूनिवर्सिटी के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए हैं। यह एमओयू प्रदेश के बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों एवं अध्यापनरत शिक्षकों के लिए शोध-अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहयोग के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता को एक नई ऊँचाई देगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा को केवल डिग्री अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि राज्य के समग्र विकास की धुरी मानती है। यह साझेदारी राज्य के शिक्षा तंत्र में गुणवत्ता, नवाचार और वैश्विक दृष्टिकोण का समावेश करेगी और युवाओं को विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने इस एमओयू को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप बताते हुए कहा कि यह बहुआयामी अधिगम, कौशल विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को गति देगा। उन्होंने वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ प्रदेश की पूर्व सहभागिता का उल्लेख करते हुए कहा कि अब

मोनाश यूनिवर्सिटी के साथ यह गठबंधन शिक्षा के वैश्विक मानकों की ओर एक और बड़ा कदम है। इस सहयोग का केंद्र गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय होगा जो इस साझेदारी को धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के कुलपति को इस उत्तरदायित्व का सफल निर्वहन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया।

झारखंड के पलामू और लातेहार में दो सड़क हादसों में छह लोगों की मौत, 11 घायल

टक्कर के बाद डीजे लदा वाहन मौके से फरार हो गया।

एजेंसी

पलामू । झारखंड में पलामू और पड़ोस के लातेहार जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग घायल हो गए। दोनों हादसे कुछ घंटे के अंतराल पर हुए हैं। पहली घटना पलामू जिला अंतर्गत तरहसी थाना क्षेत्र के तरहसी-पदमा मेन रोड पर बुधवार की देर रात हुई। मनातू थाना क्षेत्र से बारात लेकर जा रही एक पिकअप वैन और डीजे साउंड सिस्टम से लदी गाड़ी में बासदेव तिरंगा गांव के बीच आमने-सामने की टक्कर में चार बच्चों की जान चली गई। जबकि, 11 लोग बुरी तरह जख्मी हो गए।सभी घायलों को इलाज के लिए मेदिनीनगर स्थित मेदिनी राय मेमोरियल कॉलेज

हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है। हादसे की वजह से शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। बताया गया कि मनातू थाना के पसिया चुनका गांव निवासी शिवनाथ सिंह चेरो के पुत्र की बारात लेस्लीगंज प्रखंड में बोहिता गांव जा रही थी। बारातियों को ले जा रही पिकअप वैन में 15 लोग सवार थे। इसी दौरान एक मोड़ पर विपरीत दिशा से आ रही डीजे साउंड सिस्टम लदी दूसरी पिकअप वैन के साथ आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बारातियों से लदी पिकअप गाड़ी पलट गई और उसके नीचे दबकर दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े। पुलिस भी सूचना पाकर मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तरहसी स्थित स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। यहां इलाज के दौरान दो अन्य बच्चों ने दम तोड़ दिया। मृतकों में मनातू निवासी 15 वर्षीय बच्चू कुमार, 14 वर्षीय चंदन कुमार यादव, मृतक दूल्हे का चचेरा भाई और एक अन्य बच्चा शामिल हैं।

सिक्किम राज्य की स्वर्ण जयंती पर 50 रुपये का चांदी का सिक्का और डाक टिकट जारी

एजेंसी

गंगटोक। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने गुरुवार को राजधानी के पाल्जोर स्टेडियम में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से 50 रुपये का चांदी का सिक्का और एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। इस मौके पर लोकसभा सांसद डॉ. इंद्रहांग सुब्बा और राज्यसभा सांसद डीटी लेप्चा भी मौजूद थे। सिक्किम राज्य की स्थापना की स्वर्ण जयंती पर जारी स्मारक डाक टिकट में सिक्किम की प्राकृतिक भव्यता, सांस्कृतिक समृद्धि और पर्यावरण जागरूकता का सार समाहित है। स्मारक डाक टिकट और चांदी के सिक्के का अनावरण सिक्किम की लोकतांत्रिक एकीकरण, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक-आर्थिक विकास की पांच दशक की यात्रा को दर्शाता है। इस टिकट में सिक्किम के खूबसूरत पहाड़ों, पवित्र पर्यावरण और इसके लोगों की विविधता के प्रतीकात्मक

तत्व शामिल हैं, जो उस राज्य की भावना को दर्शाते हैं। कार्यक्रम में शुद्ध चांदी (99.9फीसदी) से बना 40 ग्राम वजन का 50 रुपये का स्मारक सिक्का भी जारी किया गया। यह सिक्का भारत सरकार की कोलकाता टकसाल में ढाला गया है तथा गैर-परिचालित कानूनी टेंडर के रूप में जारी किया गया है। यह सिक्का सिक्किम के एक हिमालयी राज्य से लोकतंत्र, सद्भाव और विकास पर आधारित एक प्रगतिशील भारतीय राज्य में परिवर्तन का प्रतीक है। सिक्के और डाक टिकट दोनों का लोकार्पण सिक्किम की एकीकरण, लचीलेपन और प्रगति की प्रेरक कहानी के प्रति श्रद्धांजलि है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर एक न एक दिन भारत का हिस्सा होगा : राजनाथ

'पीओके में रहने वाले हमारे भाइयों की स्थिति वीर योद्धा महाराणा प्रताप के छोटे भाई शक्ति सिंह जैसी'

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर देश को भरोसा दिलाया है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर एक न एक दिन भारत का हिस्सा होगा। पीओके का भारत में एकीकरण इस देश की सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक समृद्धि पर निर्भर करता है। पीओके में रहने वाले अधिकतर लोग भारत से गहरा जुड़ाव महसूस करते हैं। कुछ ही लोग हैं, जिन्हें गुमराह किया गया है। पीओके में रहने वाले हमारे भाइयों की स्थिति वीर योद्धा महाराणा प्रताप के छोटे भाई शक्ति सिंह जैसी है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा दिलों को जोड़ने की बात करता है और हमारा मानना है कि प्रेम, एकता और सच्चाई के मार्ग पर चलते हुए वो दिन दूर नहीं जब हमारा अपना हिस्सा पीओके वापस आएगा। रक्षा मंत्री गुरुवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन-2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का कारोबार चलाना प्रभावी लागत नहीं है, बल्कि उसकी एक भारी कीमत अदा करनी पड़ सकती है, इसका अंदाजा आज पाकिस्तान को हो चुका है। ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान आतंकवादियों के खिलाफ भारत की रणनीति और प्रतिक्रिया दोनों को नया स्वरूप और पुनर्परिभाषित किया गया है। हमें पाकिस्तान के साथ अपनी सहभागिता और बातचीत के दायरे को फिर से जांचना है। उसके साथ अब जब भी बात होगी तो सिर्फ पीओके पर होगी। ऑपरेशन सिंदूर में पूरे देश की जनता ने 'मेक इन इंडिया' अभियान की सफलता को देखा-समझा और महसूस किया है। आज यह साबित हो चुका है कि मेक इन इंडिया भारत की सुरक्षा और समृद्धि दोनों के लिए जरूरी है। आपने देखा कि किस तरह हमने पहले आतंकी ठिकानों और उसके बाद दुश्मन के सैन्य अड्डों, एयरबेस को तबाह किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान करने को हम और भी बहुत कुछ कर सकते थे, परंतु शक्ति और संयम के साथ हमने दुनिया के सामने शानदार उदाहरण पेश किया।

आत्मनिर्भरता के बैनर के तले हम आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर डिफेंस और अंतरिक्ष आधारित सुरक्षा के क्षेत्र में भारत की पकड़ अब वैश्विक मंच पर मजबूती से स्थापित हो रही है।

'कांग्रेस के इतिहास को गलत तरीके से प्रस्तुत करेंगे, तो जवाब जरूर मिलेगा', उदित राज का थरूर पर पलटवार

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद शशि थरूर और उदित राज के बीच लगातार वार-पलटवार देखने को मिल रहा है।

अब कांग्रेस नेता उदित राज ने शशि थरूर के 'ट्रोलर्स'कहने पर जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस के इतिहास को गलत तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो उन्हें जवाब जरूर मिलेगा। इसके साथ ही उदित राज ने कांग्रेस सांसद थरूर से माफी की मांग भी की। उदित राज ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से गुरुवार को बातचीत करते हुए कहा कि ट्रोल्स का जवाब देना ही नहीं चाहिए, अपना स्तर उन्होंने खुद ही गिरा लिया है तो वह ट्रोल से क्यों परेशान हैं। आप पीएम मोदी की भक्ति करें, उससे कोई ऐतराज नहीं है, लेकिन आप यह बोल रहे हैं कि मोदी सरकार से पहले नियंत्रण रेखा यानी लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) को सेना ने कभी क्रॉस ही नहीं किया। उन्होंने सेना का अपमान किया।

उन्होंने आगे शशि थरूर पर निशाना साधते हुए कहा कि 1965 में लाहौर तक हमारी सेना घुसी थी, उसका भी अपमान किया। 1971 में पाकिस्तान के दो टुकड़े हो गए, उसका भी आपने अपमान किया। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के कार्यकाल में छह बार सर्जिकल स्ट्राइक हुई। आपने उसका भी अपमान किया। आपका अपमान करने का क्या अधिकार है? मोदी जी का गुणगान करिए और अंग्रेजी लिखकर भाग नहीं सकते हैं। वह क्या लिखते हैं, इतनी अंग्रेजी सभी समझते हैं। उनके सामने विकल्प यही है कि वह गलती मान लें कि उनके स्टेटमेंट्स गलत हैं, वही एक रास्ता रह गया है।

प्राइवेट स्कूलों में फीस वृद्धि पर सुप्रीम कोर्ट का नोटिस, अभिभावकों की याचिका पर सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के निजी स्कूलों में बेतहाशा फीस वृद्धि के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय और 'एक्शन कमेटी ऑफ अनएडेड रिकॉग्नाइज्ड प्राइवेट स्कूल्स' को नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई अभिभावकों की ओर से दायर एक याचिका के बाद की गई, जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट के दो फैसलों को चुनौती दी गई है। इन फैसलों में हाई कोर्ट ने कहा था कि सरकारी जमीन पर बने निजी स्कूलों को ट्यूशन फीस बढ़ाने के लिए शिक्षा निदेशालय की अनुमति की जरूरत नहीं है। पैरेंट्स एसोसिएशन की याचिका में कहा गया है कि हाई कोर्ट के 28 अप्रैल और 8 अप्रैल के आदेश, सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों के खिलाफ हैं। इन आदेशों के कारण दिल्ली के गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूल 100 प्रतिशत तक फीस बढ़ा रहे हैं। इससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ा है और फीस न चुका पाने वाले छात्रों के खिलाफ स्कूल कार्रवाई कर रहे हैं। याचिका में दावा किया गया है कि इन आदेशों ने शिक्षा व्यवस्था में भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है। अभिभावकों ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि हाई कोर्ट के इन आदेशों को रद्द किया जाए। साथ ही, उन्होंने अंतरिम राहत के तौर पर इन आदेशों के अमल पर रोक लगाने की अपील की है। याचिका में कहा गया है कि बिना किसी नियमन के फीस वृद्धि से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। अभिभावकों का कहना है कि स्कूलों की मनमानी को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप जरूरी है।

टीचर से बनी गांजा तस्कर महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने टीचर से गांजा तस्कर बनी एक भगोड़ी महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपित महिला की पहचान उजमा (30) के रूप में हुई है। कोर्ट ने गांजा बेचने और तस्करी करने के चार मामलों में उसे भगोड़ा करार दिया हुआ था। पूछताछ में आरोपित महिला ने बताया है कि उसने सर्वोदय विद्यालय से 12वीं कक्षा पास की थी। इसके बाद वह अपने इलाके के छोटे बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर परिवार की मदद करती थी। इस दौरान उसकी दोस्ती गांजा तस्कर भारत उर्फ मोगली से हुई और उसने उससे शादी कर दी। बाद में भारत के साथ मिलकर उसने भी गांजे का धंधा शुरू कर दिया। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि उत्तम नगर और बिंदापुर के चार अलग-अलग गांजा बेचने के मामलों में कोर्ट ने उजमा को भगोड़ा करार दिया हुआ था। पुलिस की टीमें लगातार उसकी तलाश कर रही थीं। इस बीच 27 मई को एक सूचना के बाद टीम ने उजमा को नन्हे पार्क, उत्तम नगर इलाके से गिरफ्तार किया।

गोली मारकर लूटपाट करने के मामले में नाबालिग समेत तीन को पकड़ा

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के संगम विहार इलाके में भाई के साथ जा रहे एक व्यक्ति को गोली मारकर 70 हजार रुपये लूटने की वारदात में शामिल नाबालिग समेत तीन बदमाशों को पुलिस ने पकड़ा है। आरोपितों की पहचान अमन चौहान, हर्ष तथा उनके नाबालिग साथी के रूप में हुई है। आरोपितों के कब्जे से पिस्टल, छुरा तथा वारदात में इस्तेमाल चोरी की दो बाइक बरामद की गई हैं। अमन पर पहले से 13 केस दर्ज हैं। दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि 20 मई रात को संगम विहार में साई चौक के समीप पुलिस को गोली चलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने जांच में पता चला कि घटना में महेश नामक व्यक्ति अपने भाई के साथ जा रहा था। तभी दो बाइक पर सवार 4 बदमाशों ने उन्हें रोका और गोली चला दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वाहन चोरी निरोधक शाखा प्रभारी इंस्पेक्टर उमेश यादव की टीम को जांच सौंपी गई। टीम ने 150 सीसीटीवी कैमरों की मदद से 15 किलोमीटर के दायरे में जांच कर लाल कुआं-पुल प्रहलादपुर इलाके से अमन चौहान और हर्ष को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर घटना में शामिल उनके नाबालिग साथी को पकड़ा गया।

दिल्ली पुलिस में बड़ा फेरबदल, 38 आईपीएस और दानिक्स अधिकारियों का हुआ ट्रांसफर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में ट्रांसफर-पोस्टिंग का सिलसिला जारी है। इस बार दिल्ली पुलिस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 38 आईपीएस और दानिक्स अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। यह आदेश 28 मई को जारी हुआ, जिसके तहत कई जिलों के डीसीपी बदले गए हैं तो कई अधिकारियों को पहली बार पोस्टिंग दी गई है। ट्रांसफर लिस्ट के अनुसार, अमित गोयल जो अब तक डीसीपी रोहिणी थे, उन्हें अब दक्षिण-पश्चिम जिला भेजा गया है। कुशल पाल सिंह को ट्रैफिक से मेट्रो का डीसीपी बनाया है। हेमंत तिवारी को डीसीपी आईएफएसओ (नेशनल साइबर फॉरेंसिक लैब) से हटाकर अब दक्षिण-पूर्व जिला दिया गया है। रवि कुमार सिंह को डीसीपी दक्षिण-पूर्व से डीसीपी ईओडब्ल्यू बनाया गया है। वहीं राजीव रंजन को डीसीपी वेलफेयर से डीसीपी रोहिणी का जिम्मा सौंपा गया है। इसी क्रम में वी हरेश्वर स्वामी को पांचवीं बटालियन डीएपी से आउटर नॉर्थ जिला भेजा गया है। सौरभ चंद्रा को ट्रैफिक से हटाकर अतिरिक्त डीसीपी द्वारका नियुक्त किया गया है। हुक्मा राम साईं को अतिरिक्त डीसीपी नई दिल्ली बना दिया गया है। वहीं, कई ऐसे अधिकारी हैं जिन्हें पहली बार ऑन अराइवल पोस्टिंग दी गई है। इनमें अनंत मित्तल को उत्तरी जिला में अतिरिक्त डीसीपी, रोहित राजबीर सिंह को द्वारका, संदीप गुप्ता को रोहिणी, अभिमन्यु पोस्वाल को दक्षिण-पश्चिम जिला, नारा चैतन्य को आउटर और सुमित कुमार झा को दक्षिण जिला में अतिरिक्त डीसीपी के रूप में तैनात किया गया है। महेश कुमार को पांचवीं बटालियन डीएपी का डीसीपी बनाया गया है। वहीं विनीत कुमार को पीएंडएल से हटाकर आईएफएसओ भेजा गया है। अंजिथा चेप्याला को नॉर्थ जिला से हटाकर डीसीपी एसपीयूडब्ल्यूएसी, शैलजा सुकांत को सिक्योरिटी से वेस्ट जिला और लक्ष्मी कानवत को वेस्ट से सिक्योरिटी शाखा में भेजा गया है। सुभोद कुमार गोस्वामी को आठवीं बटालियन से ट्रैफिक भेजा गया है। दीपक यादव को आउटर से पीएंडएल और निशांत गुप्ता को द्वारका से ट्रैफिक शाखा में भेजा गया है।

दिल्ली मेट्रो में नौकरी दिलाने के नाम पर 13.21 लाख की ठगी, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक महिला से दिल्ली मेट्रो में नौकरी दिलाने के नाम पर 13.21 लाख की ठगी करने वाले शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने फर्जी डीएमआरसी ईमेल आईडी के माध्यम से पीड़िता को नकली नियुक्ति पत्र भेजकर भरोसा दिलाया और लाखों रुपये हड़प लिए। पकड़े गए आरोपित की पहचान सुल्तानपुरी निवासी भूपेंद्र गुरु (27) के रूप में हुई है। उत्तर पश्चिमी जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि मॉडल टाउन में रहने वाली एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एक व्यक्ति ने खुद को दिल्ली मेट्रो में नौकरी दिलाने वाला एजेंट बताकर 13.21 लाख की ठगी की। आरोपित ने पीड़िता से उसके शैक्षणिक प्रमाणपत्र भी ले लिए और एक नकली नियुक्ति पत्र ईमेल के माध्यम से भेजा।

मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह को सुप्रीम कोर्ट से राहत, गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में अभद्र टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह प्रकरण को लेकर सुनवाई की। कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर लगी अंतरिम रोक को आगे बढ़ा दिया है। इस बारे में वरिष्ठ अधिवक्ता वरुण ठाकुर ने आईएएनएस से बातचीत में पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शीर्ष न्यायालय ने इस मामले में मुख्य रूप से दो अहम बिंदुओं पर निर्देश दिए। एक तरफ जहां कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई को बंद करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि वह खुद इस मामले की सुनवाई कर रहा है। ऐसी स्थिति में इस मामले का हाईकोर्ट में विचाराधीन रहना उचित नहीं है। दूसरी तरफ एसआईटी को इस मामले की जांच की स्टेटस रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करने का आदेश दिया गया। अब इस मामले की सुनवाई जुलाई में होगी।

मंत्री विजय शाह ने महू के रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर प्रेसवार्ता करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में अभद्र टिप्पणी की थी। उनके इस बयान पर खूब बवाल हुआ था। इसके अलावा, हाईकोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया। इसके बाद मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, लेकिन उन्हें वहां भी फटकार लगी। कोर्ट ने इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित करने का आदेश दिया। इस समिति में प्रमोद वर्मा आईजी सागर जोन, कल्याण चक्रवर्ती डीआईजी एसएएफ और वाहिनी सिंह एसपी डिंडोरी को शामिल किया गया। कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इस मामले में मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज हुई थी। लेकिन, कोर्ट ने इस एफआईआर को नाकाफी बताते हुए दूसरी एफआईआर दर्ज करने को कहा। अपने बयान को लेकर आलोचनाओं में घिरने के बाद मंत्री ने कहा था कि वह कर्नल सोफिया कुरैशी का बहुत सम्मान करते हैं। वह अपनी बहन से ज्यादा कर्नल सोफिया कुरैशी को अपनी बहन मानते हैं। वहीं, कांग्रेस समेत दूसरे विपक्षी दलों ने मंत्री से इस्तीफे की मांग की। उन्होंने यहां तक कहा कि मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार मंत्री शाह को कैबिनेट से बाहर का रास्ता दिखाए।

जासूसी के आरोप में सीआरपीएफ जवान दिल्ली से गिरफ्तार, एनआईए कर रही पूछताछ

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली से सीआरपीएफ जवान मोती राम जात को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तान के खुफिया अधिकारियों (पीआईओ) को देश की संवेदनशील और गोपनीय जानकारियां साझा करने का आरोप है।एनआईए की जांच में सामने आया है कि आरोपित 2023 से जासूसी की गतिविधियों में सक्रिय था और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी जानकारियां पाकिस्तान तक पहुंचा रहा था। जांच एजेंसी ने यह भी पाया कि मोती राम को इन सूचनाओं के बदले अलग-अलग माध्यमों से पैसा भी मिल रहा था। एनआईए ने उसे दिल्ली से हिरासत में लिया और फिलहाल पूछताछ जारी है। पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत ने आरोपित को 6 जून तक एजेंसी की हिरासत में भेजा है। एनआईए अब यह जानने की कोशिश कर रही है कि इसमें और कौन-कौन शामिल था और क्या कोई बड़ा नेटवर्क काम कर रहा था।

यमुना में झाग बनने पर आप का भाजपा पर हमला, 'इतना प्रदूषण यमुना के इतिहास में कभी नहीं हुआ'

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में यमुना नदी की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। कालिंदी कुंज घाट पर यमुना नदी में बड़े पैमाने पर फैले सफेद झाग ने न केवल दिल्लीवासियों को चिंतित कर दिया है, बल्कि राजनीतिक गलियारों में भी हलचल मचा दी है। आम आदमी पार्टी (आप) ने इस घटना को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है और दावा किया है कि 'चार इंजन की सरकार' के बावजूद यमुना का प्रदूषण चरम पर पहुंच गया है। 'आप' ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें यमुना नदी का पानी सफेद झाग से भरा नजर आ रहा है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि यह झाग यमुना के जल में अमोनिया समेत कई खतरनाक विषाक्त रसायनों की मौजूदगी का संकेत है। पार्टी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यमुना की सफाई केवल कागजों और भाषणों तक सीमित रह गई है, जबकि असलियत में स्थिति और भी भयावह हो चुकी है। दिल्ली की पूर्व सीएम व दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने इस वीडियो को साझा करते हुए लिखा, यह भाजपा की चार इंजन सरकार का कमाल है। इतना प्रदूषण यमुना के इतिहास में कभी नहीं हुआ।आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार केवल घोषणाओं और योजनाओं की बात करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। पार्टी का कहना है कि दिल्ली में यमुना की स्थिति को देखते हुए यह साफ है कि भाजपा की 'नमामि गंगे' और 'यमुना सफाई अभियान' जैसे कार्यक्रम विफल साबित हो रहे हैं। यमुना में झाग के इस मुद्दे ने दिल्ली की राजनीति में गर्माहट पैदा कर दी है। आम आदमी पार्टी इस मुद्दे को लेकर लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए है।

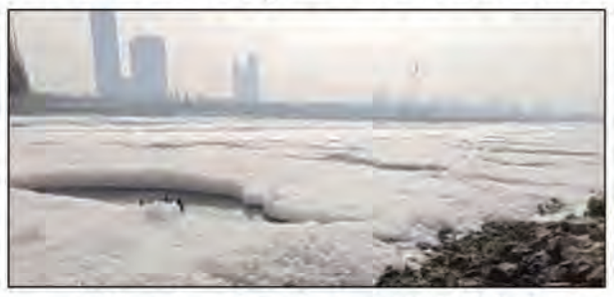

शशि थरूर को कांग्रेस नेता उदित राज ने बताया भाजपा का सुपर प्रवक्ता, भड़के शहजाद पूनावाला

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज की ओर से पार्टी सांसद शशि थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता बताए जाने पर भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान बेनकाब हो रहा है, तो कांग्रेस को दर्द महसूस हो रहा है। इसी कारण राहुल गांधी ने उदित राज को शशि थरूर को भला-बुरा कहने का निर्देश दिया है। शहजाद पूनावाला ने से बातचीत के दौरान कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांग्रेस सांसद शशि थरूर अगर विदेश में भारत की बात रख रहे हैं तो क्या यह भाजपा की बात हो गई। पूनावाला ने आगे कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान बेनकाब होता है, तो कांग्रेस के पेट में दर्द क्यों होता है? क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि थरूर पार्टी लाइन से ऊपर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता दे रहे हैं। अगर कोई भारत के लिए बोलता है, तो क्या इसका मतलब यह है कि वह भाजपा के लिए बोल रहा है। सच बोलने के लिए थरूर पर हमला क्यों किया जा रहा है। पूनावाला ने आगे आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने उदित राज को थरूर की आलोचना करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि यह पार्टी की राजनीति के बारे में नहीं है। थरूर राष्ट्रीय नीति पर चर्चा कर रहे हैं, पार्टी की विचारधारा पर नहीं। उनके बयान में कुछ भी गलत नहीं है। अगर भारतीय सेना की प्रशंसा और पाकिस्तान की हरकतों की निंदा करना किसी को कांग्रेस विरोधी बनाता है, तो पार्टी को आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, अब, अगर कांग्रेस को भारत के लिए खड़े होने या पाकिस्तान की आलोचना करने वाले किसी व्यक्ति से समस्या है, तो यह उनके बारे में क्या कहता है? ऐसा लगता है कि कांग्रेस पाकिस्तान प्रशस्त पार्टी (पीपीपी) या पाकिस्तान के यूट्यूब चैनल की तरह काम कर रही है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के एक्स पोस्ट पर पूनावाला ने कहा कि भाजपा सांसद ने उजागर किया है कि कांग्रेस अपने शासन के दौरान पाकिस्तान के साथ विदेशी मध्यस्थता वाली बातचीत में कैसे लगी रही। राहुल गांधी इन ऐतिहासिक तथ्यों को नकार कर जनता को गुमराह कर रहे हैं।

दिल्ली-गुरुग्राम के बीच द्वारका एक्सप्रेस-वे का टोला प्लाजा होगा मानव रहित

एजेंसी

गुरुग्राम। दिल्ली-गुरुग्राम के बीच बनाए गए द्वारका एक्सप्रेस-वे का दिल्ली के हिस्से का भी निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। जल्द ही इसे जनता को समर्पित किया जाएगा। एक्सप्रेस-वे पर दिल्ली से गुरुग्राम में प्रवेश करने पर बना टोल टैक्स मानव रहित होगा। यानी वाहनों की नंबर प्लेट को स्कैन करके अपने आप ही टोल टैक्स कट जाएगा। एक्सप्रेस वे इस हिस्से का प्रधानमंत्री जल्दी ही उदघाटन कर सकते हैं। दिल्ली-गुरुग्राम के बीच बनाए गए द्वारका एक्सप्रेस-वे पर लगभग नौ हजार करोड़ रुपये के खर्च से तैयार हुआ है। द्वारका एक्सप्रेस-वे पर दिल्ली की तरफ से हरियाणा में प्रवेश पर टोल प्लाजा स्थापित किया गया है। यह टोल प्लाजा मानव रहित होगा, क्योंकि यहां कोई टोल कर्मचारी नियुक्त नहीं होंगा। हरियाणा का यह दूसरा मानव रहित टोल प्लाजा होगा। इससे पहले सोनीपत में मानव रहित टोल प्लाजा स्थापित किया गया है। उनका टोल स्वत- यानी अपने आप ही कट जाएगा। इससे वाहन चालकों का समय बचेगा। टैक्स वसूली के दौरान मारपीट की शिकायतों का भी अंत हो जाएगा।

एडवांस टोल मैनेजमेंट सिस्टम करेगा टोल वसूलीद्वारका एक्सप्रेस-वे टोल प्लाजा पर ऑटोमेटिक तरीके से ही वाहनों का टोल कट जाएगा। जैसे ही कोई वाहन टोल पर लगाए गए उपकरणों के 50 मीटर के दायरे में पहुंचेंगे तो खासकर गुरुग्राम-जयपुर एनएच-8 खेडक़ीदौला टोल पर वाहन चालकों व टोल बूथ कर्मचारियों के बीच आएदिन झगड़े की शिकायतें आती हैं। यहां एडवांस टोल मैनेजमेंट सिस्टम से टोल वसूला जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने द्वारका एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले 11 मार्च को किया था। उस समय दिल्ली की तरफ का हिस्सा निर्माणाधीन था, लेकिन गुरुग्राम के हिस्से में यह एक्सप्रेस-वे पूरी तरह से तैयार हो चुका था। दिल्ली-गुरुग्राम के बीच वाहनों के दबाव को देखते हुए गुरुग्राम के हिस्से का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने द्वारका एक्सप्रेस-वे पर रोड शो के बाद सेक्टर-84 में ट्रम्पेट फ्लाईओवर के पास किया था। अब इस एक्सप्रेव-वे का दिल्ली का हिस्सा भी बनकर तैयार हो चुका है। द्वारका एक्सप्रेस-वे की कुल लंबाई 29 किलोमीटर है, जिसमें 18.9 किलोमीटर हिस्सा हरियाणा में है और 10.1 किलोमीटर हिस्सा दिल्ली क्षेत्र में है।

कोंडली नहर में डूब कर दो भाइयों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में कोंडली नहर में डूबने से दो नाबालिग भाइयों की मौत हो गई। घटना के वक्त दोनों नाबालिग कोंडली नहर में नहाने के लिए उतरे थे। इसी दौरान ही दोनों डूब गए। दिल्ली बोर्ड क्लब के इंचार्ज हरीश कुमार ने बताया कि आठ बजे के करीब कोंडली नहर में दो बच्चों के डूबने की सूचना मिली। बोट क्लब की टीम गोताखोर के साथ मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद दोनों नाबालिग को बाहर निकला गया। तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। हरीश कुमार ने बताया कि दोनों किशोर कोंडली नहर में नहाने के लिए आए थे। पानी की गहराई ज्यादा होने की वजह से वह डूब गए। मृतक बच्चों की पहचान रवि (15) और भीम (13) के रूप में हुई है। दोनों दल्लूपुरा के रहने वाले थे। हादसे के

बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं इस हादसे को लेकर क्षेत्र के लोगों में काफी रोष है। लोगों का कहना है कि नहर की सही तरीके से घेराबंदी नहीं की गई है। जिसकी वजह से इस तरीके के हादसे आये दिन होते रहते हैं। खासतौर से गर्मी के दिनों में ज्यादातर बच्चे कोंडली नहर में नहाने के लिए आते है।

दिल्ली रिज क्षेत्र में पेड़ कटाई पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार, डीडीए अधिकारियों पर जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के रिज क्षेत्र में पेड़ काटने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अधिकारियों को अवमानना का दोषी पाया। कोर्ट ने प्रत्येक दोषी अधिकारी पर 25,000 रुपए का जुर्माना लगाया, सिवाय डीडीए के चेयरमैन और तत्कालीन वाइस चेयरमैन के, जो अब इस पद पर नहीं हैं। हालांकि, कोर्ट ने अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही बंद कर दी, लेकिन विभागीय जांच को जारी रखने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डीडीए ने 1996 के आदेश का उल्लंघन किया, जिसमें रिज क्षेत्र में पेड़ काटने के लिए कोर्ट की पूर्व अनुमति जरूरी थी। कोर्ट ने इसे गंभीर अपराध माना, क्योंकि डीडीए ने न केवल पेड़ काटे, बल्कि यह तथ्य भी छिपाया कि पेड़ पहले ही काटे जा चुके थे। कोर्ट ने इसे %आपराधिक अवमानना% करार देते हुए कहा कि यह न्याय व्यवस्था की गरिमा को ठेस पहुंचाता है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. के. सिंह की बेंच ने माना कि यह मामला सत्ता के दुरुपयोग और प्रशासन के गलत निर्णय का है। हालांकि, पेड़ काटने का मकसद

पैरामिलिट्री अस्पताल तक सड़क चौड़ी करना था, जो जनहित में था। इसलिए, कोर्ट ने इसे प्रशासनिक भूल माना और सख्त कार्रवाई से बचते हुए सुधारात्मक कदमों पर जोर दिया। कोर्ट ने दिल्ली सरकार और डीडीए को पर्यावरणीय नुकसान की भरपाई के लिए व्यापक पौधरोपण करने का निर्देश दिया। इसके लिए एक तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है, जो रिज क्षेत्र में काटे गए पेड़ों की जगह नए पेड़ लगाने की योजना बनाएगी। कमेटी कनेक्टिंग सड़क के दोनों ओर घने पेड़ लगाने की संभावनाएं तलाशेगी और समय-समय पर कोर्ट को स्टेटस रिपोर्ट सौंपेगी। डीडीए को सड़क का काम पूरा करने का भी आदेश दिया गया है।

कोर्ट ने सुझाव दिया कि जिन लोगों ने इस सड़क का लाभ उठाया, जैसे कि संपन्न व्यक्ति या संस्थाएं, उनसे पौधरोपण का खर्च वसूला जाए। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने डीडीए को कड़ी फटकार लगाई और पूछा कि क्या पेड़ काटने का आदेश लेफ्टिनेंट गवर्नर (एलजी) ने दिया था। डीडीए के तीन अधिकारियों को पहले अवमानना नोटिस भी जारी किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली के ग्रीन लंग्स कहे जाने वाले रिज क्षेत्र में पेड़ काटने जैसे मामले को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह फैसला पर्यावरण संरक्षण और प्रशासनिक जवाबदेही के लिए एक मिसाल है।

दिल्ली सरकार देगी 125 सिख दंगा पीड़ितों को सरकारी नौकरी, 19 को बांटे नियुक्ति पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने 1984 के सिख दंगों के 125 पीड़ितों को सरकारी नौकरी देने जा रही है। इनमें से 19 लोगों को आज दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे। नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने सिख पीड़ितों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि 1984 के दंगों के पीड़ितो को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने कभी भी अधिकार नहीं दिए। पिछली सरकारों ने पीड़ितों को किसी प्रकार का सहयोग नहीं दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कारण ही पीड़ित सिखों को सहायता राशि भी मिल पायी है। गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार पीड़ित सिख परिवारों के साथ खड़ी है। दिल्ली सरकार पीड़ित सिख परिवारों के 125 सदस्यों को नौकरियां देने जा रही है। वहीं कोविड-19 की स्थिति और तैयारियों पर रेखा गुप्ता ने कहा कि तत्काल कोई चिंताजनक स्थिति नहीं है। कोविड-19 के नए वेरिएंट में अभी तक सिर्फ खासी, जुखाम जैसा एक मौसमी वायरस ही सामने आया है। दिल्ली के लोगों को चिंता करने की कोई जरुरत नहीं है।

'वह भारत की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं', निशिकांत दुबे पर मनोज झा का पलटवार

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए पोस्ट पर राजद सांसद मनोज झा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि निशिकांत दुबे वह सभी कार्य कर रहे हैं, जिससे विदेशों में भारत की साख को नुकसान पहुंचे। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को यह मालूम होना चाहिए कि अगर परतें खुलेंगी तो बहुत सारी खुलेंगी। उन्होंने कहा कि भारत-पाक के सीजफायर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता पर सरकार ने ट्रंप को चुप क्यों नहीं कराया। क्यों नहीं कहा कि यह हमारा मामला है। मनोज झा ने कहा कि जिस दिन निशिकांत दुबे का नाम विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में आया था तब मुझे लगा था कि मैं पीएम मोदी से अपील करूं कि गुडविल मिशन बना रहे हैं या फिर डैमेज मिशन बना रहे हैं। अगर यह उनके नवरत्नों में से हैं तो मुझे इसके आगे कुछ भी नहीं कहना है। पीएम मोदी के बिहार दौरे को लेकर सांसद मनोज झा ने कहा कि अभी चुनाव का समय है, इसलिए प्रधानमंत्री बार-बार आएंगे। अभी काफी गर्मी है, इसलिए हो सकता है कि लिट्टी खाते हुए उनकी तस्वीरें भी आएं। ये सब तो होगा ही। लेकिन, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा चाहिए। अब सिर्फ बयानबाजी से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि बिहार अब श्रम सप्लाई का केंद्र नहीं बना रहना चाहता। ये नहीं कि पूंजी गुजरात में और श्रमिक यहां से, ये नहीं चलेगा। औपनिवेशिक शासनकाल से बिहार ने यह भुगता है। बिहार का पलायन यहां की चुनौती है। हमारी पार्टी लगातार कह रही है कि बिहार में सरकार नहीं बदलेगी, सरोकार भी बदलेगा। पूर्व पीएम को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, गांधी होना आसान नहीं। यह पत्र अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रेगन का तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी के द्वारा लिखे पत्र के उत्तर में है। 1972 के शिमला समझौते के तहत जब यह तय हो गया कि भारत पाकिस्तान के बीच किसी विवाद पर बातचीत केवल दोनों देशों के बीच होगी, कोई मध्यस्थ नहीं होगा तो भारतीय तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रेगन से पाकिस्तान से बातचीत के लिए मदद क्यों मांगी।

भारतीय सेना में 'गुर्जर रेजिमेंट' के गठन की मांग, दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की जनहित याचिका

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सशस्त्र सेना में गुर्जर समुदाय के लिए एक रेजिमेंट के गठन करने की मांग को लेकर दाखिल की गई जनहित याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने ऐसी मांग के लिए याचिका दाखिल करने पर याचिकाकर्ता को फटकार भी लगाई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए पूछा कि किस कानून या संविधान के अधिकार के तहत इस तरह की याचिका दाखिल की गई है। साथ ही पीठ ने यह भी कहा कि क्या कानून या संविधान में ऐसा कोई अधिकार दिया गया है, जिसके तहत आप सेना में ऐसी रेजिमेंट बनाने की मांग कर रहे हैं। दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई थी, जिसमें मांग की गई थी कि भारतीय सशस्त्र सेना में गुर्जर समुदाय के लिए एक रेजिमेंट का गठन किया जाए। हालांकि, दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की पीठ ने इस याचिका को खारिज कर दिया।

याचिका में कहा गया कि गुर्जर रेजिमेंट के गठन से भारतीय सेना को मजबूती मिलेगी और ऐतिहासिक रूप से योद्धा समुदाय को भर्ती से फायदा होगा। याचिका में यह भी कहा गया कि गुर्जर समुदाय जम्मू और कश्मीर, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड जैसे रणनीतिक सीमावर्ती क्षेत्रों में रहते हैं, जहां उन्होंने भारत की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गुर्जरों ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया था, जहां उन्होंने मेरठ, बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर और राजस्थान सहित कई क्षेत्रों में ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह किया था। ब्रिटिश औपनिवेशिक अभिलेखों में गुर्जर योद्धाओं के ब्रिटिश सेना के खिलाफ आवाज बुलंद करने के सबूत भी हैं। इस पर पीठ ने कहा, किस कानून या संविधान के अधिकार के तहत इस तरह की याचिका दाखिल की गई है। क्या कानून या संविधान में ऐसा कोई अधिकार दिया गया है, जिसके तहत आप सेना में ऐसी रेजिमेंट बनाने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, बाद में बेंच ने कहा कि उन्हें याचिकाकर्ता के वकील ने बताया है कि वे अपनी याचिका वापस लेना चाहते हैं। इसलिए, याचिका को वापस लेने के आधार पर इसे खारिज किया जाता है।

संपादक की कलम से

आतंकवाद को आतंकित करने की मोदी नीति

सैन्य नीति में कहा जाता है, आक्रमण ही सबसे बढ़िया रक्षा है । अब ऐसा लगता है कि मोदी सरकार इस नीति पर चल पड़ी है । पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे आतंकवाद के खिलाफ हम पिछले 45 सालों से बचाव की नीति पर चल रहे थे । इसका नतीजा यह था कि आतंकवादी पूरे देश में दनदनाते घूम रहे थे । इतने बड़े देश में सभी को सुरक्षा देना संभव नहीं है, इसलिए गुप्तचर एजेंसियों और सुरक्षा बलों की भरपूर कोशिशों के बावजूद भारत लगातार आतंकवादी हमले झेल रहा था । आतंकवाद के कारण भारत के 20000 निर्दोष नागरिकों को असमय अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है । इसके अलावा भारत की जो आर्थिक हानि हुई है और उसके विकास को चोट पहुंची है, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। आतंकवाद के बारे में कहा भी जाता है कि आतंकवादी हमले से बचने के लिए सुरक्षाबलों को हर बार कामयाब होना पड़ता है लेकिन आतंकवादियों को सिर्फ एक बार कामयाब होने की जरूरत होती है । 1980 से लेकर अब तक भारत के कोने-कोने में आतंकवादी हमले होते रहे हैं । 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्यवाही शुरू की गई जिसके परिणामस्वरूप आतंकवाद को जम्मू-कश्मीर तक सीमित कर दिया गया । पिछले दस सालों से जम्मू-कश्मीर को छोड़कर देश का शेष हिस्सा आतंकवाद की मार से बचा रहा है । इसके बावजूद जम्मू-कश्मीर में आज भी आतंकवादी हमले जारी हैं । अब मोदी सरकार ने तय कर लिया है कि आतंकवाद को पूरे देश से समाप्त कर देना है और इसके लिए आतंकवादियों के आका पाकिस्तान के खिलाफ कार्यवाही करने का मन बना लिया गया है।

पाकिस्तान बड़े-बड़े आतंकवादी हमलों के बाद भारत की प्रतिक्रिया से ये मान चुका था कि भारत एक कमजोर राज्य है । इसके खिलाफ बड़े से बड़ा हमला कर दो लेकिन वो कुछ करने वाला नहीं है ।

आतंकवाद के इतिहास में दो बार ऐसा हुआ है जब पाकिस्तान ने भारत पर सीधा हमला किया है। एक बार लोकतंत्र के मंदिर संसद को निशाना बनाया गया और दूसरी बार देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बड़ा आतंकवादी हमला करके 166 भारतीय नागरिकों को मौत के घाट उतार दिया गया।

ये ऐसे दो मौके थे जब पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की जरूरत थी लेकिन तत्कालीन सरकारें इसमें नाकामयाब रही । 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद 2016 में उरी में हुए आतंकवादी हमले के बाद पहली बार भारत सरकार ने पाकिस्तान को जवाब दिया । पीओके में भारतीय सेना ने घुसकर आतंकवादी कैंप को उड़ा दिया । दूसरी बार 2019 में पुलवामा में बड़ा आतंकवादी हमला करके 40 सीआरपीएफ जवानों को शहीद कर दिया गया । मोदी सरकार ने इसके जवाब में पाकिस्तान स्थित बालाकोट में आतंकवादी कैंप पर हवाई हमला करके आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया । इन दो कार्यवाहियों से भारत ने पाकिस्तान को बताया कि हम अब आतंकवादी हमलों पर चुप नहीं बैठेंगे बल्कि उसका जवाब देंगे । आतंकवादियों को पाकिस्तान में घुसकर मारा जायेगा । पाकिस्तान ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और 22 अप्रैल 2025 में कश्मीर घाटी के पहलगाम में बड़ा आतंकवादी हमला करके 26 निर्दोष लोगों की हत्या करवा दी । इस हमले के बाद भारत सरकार ने जो कार्यवाही की है, उसने बता दिया है कि अब जवाब बड़ा होगा और कितना बड़ा होगा, ये हम तय करेंगे । 26 लोगों के बदले 9 आतंकवादी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया गया । इसके जवाब में जब पाकिस्तानी सेना ने भारत के 26 शहरों पर हमला किया तो पाकिस्तानी सेना के 11 सैन्य हवाई अड्डों को तबाह कर दिया गया । इसके अलावा पाकिस्तानी सेना को बड़ा नुकसान पहुंचाया गया है ।

भारत ने 2025 में आतंकवाद के खिलाफ नई नीति बना ली है। 2016 और 2019 में की गई कार्यवाही आतंकवादी हमले का बदला लेने की कार्यवाही प्रतीत होती है लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत की गई कार्यवाही को आतंकवादी हमले का बदला नहीं कहा जा सकता बल्कि ये कार्यवाही पाकिस्तान को दंड देने की कार्यवाही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा कर दी है कि अब वो आतंकवादी और उनके नेता, पाकिस्तान की सेना और सरकार को एक मानते हैं। अब अगर भारत पर आतंकवादी हमला होगा तो भारत उसका दंड सिर्फ आतंकवादियो को नहीं देगा बल्कि पाकिस्तान की सेना और सरकार को भी उसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी ।ऑपरेशन सिंदूर ने पहली बार आतंकवादियो, पाकिस्तान की सेना और सरकार को आतंकित कर दिया है।

अब भारत पर आतंकवादी हमले का डर भारत से ज्यादा पाकिस्तान को हो रहा है। ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी अब आतंकवाद के खिलाफ आतंक का इस्तेमाल करना चाहते हैं। वास्तव में आतंकवादी और उनके आका पाकिस्तान को यही भाषा समझ आती है। जैसे पहले भारत सरकार हर समय आतंकवादी हमले से डरी रहती थी अब आतंकवादी हमले का डर पाकिस्तान के आतंकियों और उसकी सेना एवं सरकार को सता रहा है । मोदी सरकार ने घोषणा कर दी है कि अब वो आतंकवादी हमले को एक्ट ऑफ वॉर की नजर से देखेगी और उसका जवाब सैन्य कार्यवाही के रूप में देगी । कार्यवाही की मात्रा और तरीका भारतीय सेना तय करेगी । वैसे मोदी सरकार को पाकिस्तान पर पूरा भरोसा है कि वो फिर आतंकवादी हमला करवा सकता है ।

हिन्दी पत्रकारिता को व्यवसाय नहीं, मिशन बनाना होगा

- ललित गर्ग -

भारत में हिन्दी पत्रकारिता की न केवल आजादी के संघर्ष में बल्कि उससे पूर्व के गुलामी की बेड़ियों में जकड़े राष्ट्र की संकटपूर्ण स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, नये बनते भारत में यह भूमिका अधिक महसूस की जा रही है, क्योंकि तब से आज तक समाज की आवाज उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसका योगदान अविस्मरणीय रहा है। हिंदी पत्रकारिता या स्थानीय पत्रकारिता, लोगों को उनकी भाषा में जानकारी उन तक पहुँचाता है और देश भर में ज्ञान के व्यापक प्रसार को सुगम बनाता है। हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है, दरअसल दो शताब्दी पूर्व ब्रिटिशकालीन भारत में जब तत्कालीन हिन्दुस्तान में दूर दूर तक मात्र अंग्रेजी, फारसी, उर्दू एवं बांग्ला भाषा में अखबार छपते थे, तब देश की राजधानी ह्यकलकत्ताह्न से हिन्दी भाषा में ह्यउदन्त मार्तण्डह्न के नाम से पहला हिन्दी समाचार पत्र वर्ष 1826 को छपा था। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने इसे साप्ताहिक के तौर पर शुरू किया था। इसके प्रकाशक और संपादक भी वे खुद थे। भले ही अब यह समाचार पत्र बंद हो गया है, लेकिन इसने हिंदी पत्रकारिता के सूर्य को उदित कर दिया था जो आज भी देदीप्यमान है।

उन्नीसवीं शताब्दी के अंत और बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में हिंदी के अनेक दैनिक समाचार पत्र निकले जिनमें हिन्दुस्तान, भारतोदय, भारतमित्र, भारत जीवन, अभ्युदय, विश्वमित्र, आज, प्रताप, विजय, वीर अर्जुन आदि प्रमुख हैं। बीसवीं शताब्दी के चौथे-पांचवें दशकों में अमर उजाला, आर्यावर्त, नवभारत टाइम्स, नई दुनिया, जागरण, पंजाब केसरी, नव भारत आदि प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र सामने आए। लोकतंत्र में मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में खड़ा है, पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हम देश की वर्तमान स्थिति से अवगत रहते हैं। पत्रकार अथक परिश्रम करते हैं, ताकि समाचार हमारे घर तक तुरंत पहुंचे। चाहे अखबारों के जरिए हो, टीवी चैनलों के जरिए हो या सोशल मीडिया के व्यापक प्रभाव के जरिए, नित-नये बनते एवं बदलते समाज में पत्रकारिता की शक्ति को कम करके नहीं आंका जा सकता। यह हमारे दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और सूचित संवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हिन्दी पत्रकारिता में क्रांतिकारिता का रंग गणेश शंकर विद्यार्थी ने भरा था। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से 9 नवंबर 1913 को 16 पृष्ठ का ह्यप्रतापह्न समाचार पत्र शुरू किया था। यह काम शिव नारायण मिश्र, गणेश शंकर विद्यार्थी, नारायण प्रसाद अरोड़ा और कोरोनेशन प्रेस के मालिक यशोदा नंदन ने मिलकर किया था। शिव नारायण मिश्र और गणेश शंकर विद्यार्थी ने ह्यप्रतापह्न को अपनी कर्मभूमि बना लिया। विद्यार्थीजी के समाचार पत्र प्रताप से क्रांतिकारियों को काफी बल मिला। मुंशी प्रेमचंद महान लेखक-कहानीकार होने के साथ-साथ हिन्दी के क्रांतिकारी एवं जुझारू पत्रकार थे, उनकी पत्रकारिता भी क्रांतिकारी थी, लेकिन उनके पत्रकारीय योगदान को लगभग भूला ही दिया गया है। जंगे-आजादी के दौर में उनकी पत्रकारिता ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध ललकार की पत्रकारिता थी। वे समाज की कुरीतियों एवं आडम्बरों पर प्रहार करते थे तो नैतिक मूल्यों की वकालत भी करते थे। मेरा सौभाग्य है कि मैं राजस्थान के यशस्वी पत्रकार स्व. श्रीरामस्वरूप गर्ग के पुत्र होने के नाते विरासत में पत्रकारिता के मूल्यों को आत्मसात करने का मौका मिला। उन्होंने 1936 एवं उसके बाद के दौर में ह्यराष्ट्रवाणीह्न एवं ह्यपरिवर्तनह्न जैसी पत्रिकाओं का प्रकाशन एवं सम्पादन किया। वे राजस्थान के प्रतिष्ठित दैनिक नवज्योति के साप्ताहिक रूप में निकले प्रारंभिक अंकों के सम्पादक रहे। इसका प्रारंभ पण्डित जवाहरलाल नेहरू के निजी सचिव रहे श्री रामनारायण चौधरी ने किया था। आज जबकि हिन्दी देश एवं दुनिया में सर्वाधिक बोली एवं प्रयोग की जाने वाली तीसरी भाषा बन चुकी है, ऐसे में सहज ही हिन्दी पत्रकारिता का मूल्य बढ़ा है। निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि ह्यन खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालोह्न उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए हिन्दी पत्रकारिता को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं। अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है। पर खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए बुरी एवं स्वार्थी ताकतें सत्ता, तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं। लेकिन तलवार से भी धारदार कलम इसीलिये इतनी प्रभावी है कि इसकी वजह से बड़े-बड़े राजनेता, उद्योगपतियों और सितारों को अर्श से फर्श पर आना पड़ा। हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता कई संकटों का सामना कर रहे हैं- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, साम्प्रदायिकता एवं अंधधार्मिकता, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच हिन्दी पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों को आधार देने वाली संस्थाओं पर गंभीर प्रभाव के कारण ही यह भूमिका महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके हिन्दी पत्रकारिता की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमले हो रहे हैं। कभी-कभी भारत में हिन्दी पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर सख्त पहरे जैसा भी प्रतीत होता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि बड़ी सचाई है कि इन्हीं पत्रकारों के बल पर हमें आजादी मिली है। पत्रकारिता लोकहित में सरकार को कदम उठाने का रास्ता सुझाती रहती है, इसीलिए उसकी विश्वसनीयता होती है। मगर सरकारें जब उसके मूल स्वभाव को ही बदलने का प्रयास करती हैं, तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रहार करती हैं। ऐसे में पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ न होकर प्रचारतंत्र में तब्दील होने लगती है। पत्रकारिता आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियों को दूर करने में मदद करती है। उसका लाभ उठाने के बजाय अगर उसका गला घोटने का प्रयास होगा, तो सही अर्थों में विकास का दावा नहीं किया जा सकता, नया भारत-सशक्त भारत निर्मित नहीं किया जा सकता। अगर कोई सरकार सचमुच उदारवादी और लोकतांत्रिक होगी, तो वह आलोचना से कुछ सीखने का प्रयास करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी हिन्दी पत्रकारिता के प्रति हमारे अविश्वसनीय समर्थन को दोहराने की बात कही है जो लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है ह्न हिन्दी पत्रकारिता कभी मिशन था, आज व्यवसाय बन गया है। आजादी के आंदोलन तक मिशन रहा। धीरे-धीरे इसमें व्यापारी आने लगे। औद्योगिक घराने उतर गए। इनका उद्देश्य समाज सेवा नही रहा, व्यापार हो गया। ये व्यापार करने लगे। वह छापने लगे जिससे इन्हें लाभ हो। डिजिटल युग में टीआरपी और व्यूज ही सफलता का पैमाना बन गए हैं। गंभीर पत्रकारिता की जगह सनसनीखेज खबरें, गॉसिप, और ह्यडिबेट तमाशोंह्न ने ले ली है। तथ्य की जगह धारणा, विश्लेषण की जगह उत्तेजना, और संवाद की जगह शोर ने कब्जा कर लिया है। एंकर शोर मचाकर चीखकर पाठकों को आकर्षित करन में लगे हैं। हिन्दी पत्रकारिता ऐसी अनेक चुनौतियों एवं विसंगतियों का सामना कर रही है। बीते कुछ वर्षों में पत्रकारिता का स्तर चिंताजनक रूप से गिरा है, जबकि पत्रकारों की प्रसिद्धि, प्रभाव और पहुंच पहले से कहीं अधिक बढ़ी है। यह विरोधाभास क्यों? पत्रकार बड़े होते जा रहे हैं, पर पत्रकारिता एवं उसके मूल्य-मानक क्यों सिकुड़ रहे है? आज फेसबुक पत्रकार, न्यूज पोर्टल चलाने वाले पत्रकार, यूट्यूब चैनल चलाने वाले पत्रकारों की देश में बाढ़ सी आ गई है। टीवी पत्रकारिता का वर्चस्व बढ़ रहा है, बड़े एवं बहु-संस्करणों के दैनिक अखबार भी तेजी से बढ़ रहे हैं। आन लाइन समाचार पत्रों की रोज गिनती बढ़ती जा रही है। जिसे देखो पत्रकारिता कर रहा है। इतना सब होने के बावजूद पिछले कुछ साल में खबर एवं हिन्दी पत्रकारिता की विश्वसनीय घटी है। पत्रकारिता का स्तर गिरा है। पत्रकार का सम्मान घटा है। पहले माना जाता कि अखबार में छपा है तो सही होगा,

किंतु मीडिया में आई खबर की आज कोई गारंटी देने को तैयार नहीं। पहले हिन्दी पत्रकारिता वैचारिक-क्रांति होती थी, आज खबर प्रधान बन गयी है, विचार लुप्त है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाना तभी सार्थक होगा जब उसे व्यवसाय नहीं, मिशन के तौर पर नये व्यक्ति, नये समाज, नये राष्ट्र का प्रेरक बनायेंगे।

भारत बना चौथा वैश्विक आर्थिक सिरमौर

भारत की आर्थिक नीतियों का कमाल, यह चमत्कार से कम नहीं है कि वर्ष 2014 के पहले मनमोहन सिंह की कांग्रेस की सरकार के समय भारत विश्व में 11वीं आर्थिक शक्ति में गिना जाता था। 2014 में भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनते ही सबसे पहले आर्थिक मजबूती की नीतियों पर ध्यान देते हुए भारत की अंदरूनी अर्थशास्त्र मरम्मत करते हुए आज 2025 में विश्व की जापान जैसी चौथी आर्थिक शक्ति को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक स्तर पर चौथी महाशक्ति बन गया है। सकल जीडीपी में भारत ने उत्साह जनक वृद्धि करते हुए आश्चर्यजनक रूप से चौथी अर्थव्यवस्था बनने का कम समय में रिकॉर्ड बनाया है।

यह ऐसे समय में भारत ने किया है जब भारत के समक्ष विपरीत परिस्थितियों पहाड़ बनकर खड़ी हुई है ऑपरेशन सिंदूर में सामरिक तौर पर पाकिस्तान को परास्त करते हुए अमेरिका चीन पाकिस्तान तुर्की जैसे देशों का मुकाबला डटकर किया है। भारत ऑपरेशन सिंधु चलते हुए पाकिस्तान के 9 हवाई बेस अड्डों को नष्ट किया है के अलावा 100 आतंकवादियों को मार भी गिराया है ट्रंप ने इस मामले में दबाव डालने का भरपूर प्रयास किया था भारत के कड़े रुख के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने बयान से यू टर्न लेना पड़ा और भारत और पाकिस्तान के बीच से अपना हाथ खींच लिया है। अब भारत में कूटनीतिक तौर पर अपने 60 से अधिक सांसदों को विदेश विभिन्न देशों में अपने सांसदों का दल भेज कर भारत का रुख साफ करने एवं पाकिस्तान की काली करतूत के तहत विभिन्न आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने का पदार्फास भी किया है। भारत ना सिर्फ चौथी आर्थिक शक्ति बना है बल्कि सामरिक तौर पर अपनी फौज के दम पर पाकिस्तान जैसे आतंकवादी देश को परास्त करते हुए चौथी आर्थिक महाशक्ति बन गया है। अब वह दिन दूर नहीं जब भारत अपनी वर्तमान की आर्थिक नीतियों पर चलते हुए बहुत शीघ्र जर्मन जैसे शक्तिशाली देश को पीछे छोड़ते हुए तीसरी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हो गया है। भारत सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी भी देश की नियत साफ हो तो वह किसी भी दिशा में सकारात्मक रूप से शांति स्थापना की अच्छी मंशा को लेकर वैश्विक स्तर पर अच्छी छवि बनाकर सिरमौर भी बन सकता है। भारत 141 करोड लोगों के श्रम के हाथों और मजबूत आर्थिक नीतियों के चलते 4000 अरब डॉलर वाला कुल सकल उत्पाद की ताकत के बाद वैश्विक स्तर पर चौथी आर्थिक ताकत बनकर उभरा है। भविष्य में भारत को अपने नागरिकों के श्रम के दम पर बहुत शीघ्र जर्मनी जैसे ताकतवर पश्चिमी देश को पीछे छोड़कर तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वर्तमान में भारत अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 40 पैसे मजबूत हुआ है। इंटरनेशनल मोनेटरी फंड तथा विश्व बैंक ने भारत की प्रशंसा करते हुए कहा है कि विश्व की दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के लगातार प्रदर्शन के बीच भारत की अंदरुनी अर्थव्यवस्था काफी मजबूत हुई है तथा यह मजबूत अर्थव्यवस्था लगातार जारी रहने की संभावना है। ऑपरेशन सिंदूर के पश्चात यह बहुत शुभ खबर है कि पाकिस्तान में हमले के बाद इसराइल फ्रांस ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देशों के साथ-साथ खाड़ी के देश भी भारत के सामरिक अस्त्र-शस्त्र खरीदने की होड़ में शामिल हो गए हैं एवं भारत में बने रक्षा उत्पादों को खरीदने की मंशा रखते हैं।

भारत को न सिर्फ निर्यात बल्कि देश के लिए उपयोगी आवश्यक वस्तुओं का आयात भी करना होगा तब जाकर हम तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर उन्मुख हो सकते हैं। भारत के प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब हमें चीन के सामानों का उपयोग ना करके घर में ही उत्पादन बढ़ाकर आर्थिक रूप से चीन को करारा जवाब देकर उसे आर्थिक रूप से परास्त करना है। भारत ने डिजिटल टेक्नोलॉजी को काफी हद तक विस्तृत कर पूरी दुनिया में यह साबित कर दिया है कि डिजिटाइजेशन में भारत बहुत आगे बढ़ गया है

पहले से तेज रफ्तार और ज्यादा खतरनाकह्न दुनिया को डरा रहा कोरोना का नया वैरिएंट NB.1.81

कोरोना का नया वैरिएंट भारत और अमेरिका समेत पूरी दुनिया में तेजी से फैलता जा रहा है. मगर, अब अमेरिका की रिपोर्ट से इस वैरिएंट के बारे में बहुत ही चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है. अमेरिकी एक्सपर्ट्स का कहना है कि कोविड का ये नया वैरिएंट भी चीन की साजिश का परिणाम है. वायरस इस बार और खतरनाक होकर आया है. एक बार फिर कोविड-19 ने पूरी दुनिया को तेजी से अपने चंगुल में लेना शुरू कर दिया है. भारत, अमेरिका, सिंगापुर, जापान, फ्रांस, स्पेन और ताइवान जैसे देशों को ये फिर से अपना शिकार बना रहा है.

अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट है कि कोरोना का नया वैरिएंट, जिसे ठइ.1.81 नाम दिया गया है, वो पहले के हर वैरिएंट से ज्यादा खतरनाक है. ये न सिर्फ तेजी से फैल रहा है, बल्कि जानलेवा भी है. भारत में ये संक्रमण 1 हजार से ज्यादा लोगों को संक्रमित कर चुका है. हैरानी की बात ये है कि ये आंकड़ा हर बीतते दिन के साथ बढ़ता जा रहा है.

कोरोना के जिस नए वैरिएंट से दुनिया दहशत से भर गई है, उसके बारे में अब बहुत ही चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है. अमेरिका और कई एक्सपर्ट्स का दावा है कि इस नए वैरिएंट के पीछे किसी और का नहीं बल्कि चीन का ही हाथ है. अमेरिकी एक्सपर्ट्स का दावा है कि कोविड-19 का नया वैरिएंट ठइ.1.81 सबसे पहले चीन में ही फैला.

चीन ही कोरोना के नए वैरिएंट का विलेन

चीन से ये संक्रमण एशिया के देशों तक पहुंचा. अब ये दुनिया के कमोबेश सभी हिस्सों में पहुंच चुका है. चीन ही कोरोना के नए वैरिएंट का विलेन है, इस बात का शक इसलिए भी गहरा गया है क्योंकि चीन इससे जुड़ी जानकारियां छिपा रहा है. चीन के शहरों में कोरोना का खतरनाक वैरिएंट फैला. बड़ी तादाद में चीन के लोग इससे संक्रमित हुए लेकिन इसको लेकर जिनपिंग ने दुनिया को पहले से आगाह नहीं किया.

अलबत्ता चीन के लोग दुनिया के कई देशों में बेरोकटोक आते जाते रहे. मतलब ये कि इस बार भी चीन ने वही किया है, जैसा पहली बार 2019 में किया था. दुनिया को एक नई महामारी दे दी है. अब पूरे विश्व के सामने कोरोना के नए वैरिएंट से निपटने की बड़ी चुनौती आ खड़ी हुई है.

कोरोना से घबराने की बजाय सावधानी जरूरी

करीब तीन सालों की शांति के बाद कोरोना महामारी की पदचाप सुनाई दे रही है। देश के कई प्रमुख शहरों और राज्यों में कोविड-19 के नए मामले लगातार बढ़ रहे हैं। देश के कम से कम 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कोरोना के नए संक्रमित मरीज सामने आ रहे हैं। इनमें महाराष्ट्र के मुंबई, पुणे, और ठाणे जैसे बड़े शहरों में संक्रमण के मामले सबसे अधिक दर्ज किए जा रहे हैं। वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस के दो नए वेरिएंट एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 की पहचान की है। इन नए वेरिएंट्स के कारण संक्रमण की दर में फिर से तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। कोरोना की नई दस्तक ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। कोविड-19 का सबसे पहला केस दिसंबर 2019 में चीन के वुहान शहर में दर्ज किया गया था। चीनी प्रशासन ने शुरूआती मामलों का संबंध वुहान की एक सीफूड मार्केट से पाया था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह वायरस जानवरों से इंसानों में पहुंचा है। मगर हाल में अमेरिकी मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, कुछ ऐसे सबूत हैं जो इस ओर इशारा करते हैं कि यह वायरस चीन की एक प्रयोगशाला से लीक हुआ है। 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने अमेरिकी इंटेलिजेंस रिपोर्ट के हवाले से दावा किया था कि इससे पहले ही नवंबर में वुहान लैब के तीन सदस्यों को कोविड जैसे लक्षणों वाली बीमारी के चलते अस्पताल जाना पड़ा था। मगर चीन ने न सिर्फ ऐसी खबरों को झूठा बताया था बल्कि आरोप लगाया था कि हो सकता है कोरोना वायरस अमेरिका की किसी लैब से निकला हो। इस वायरस के कारण फैली महामारी के कारण दुनिया भर में अब तक कम से कम 35 लाख लोगों की जान जा चुकी है और संक्रमण के 16 करोड़ 80 लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए जा चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से कहा जा रहा है कि इस बार के संक्रमण के लिये ओमिक्रोन के नये वेरिएंट जे.ए.1 तथा वेरिएंट एल.एफ.7 और एन.बी.18 जिम्मेदार हैं। बताया जा रहा है कि जे.एन.1 वेरिएंट बहुत तेजी से फैलता है। विश्व के स्वास्थ्य विशेषज्ञ बता रहे हैं कि नये वेरिएंट से पीड़ित लोगों में गले में खराश, नींद न आना, छींके आना, खांसी, एंग्जाइटी, नाक बहना, खांसी, सिरदर्द, कमजोरी, थकान व मांसपेसियों में दर्द की शिकायत शामिल हो सकती है। हालांकि, इनमें से कुछ आम इंफ्लूएंजा के लक्षण भी हो सकते हैं। ऐसे में कोरोना संक्रमण का टेस्ट करवाना भी जरूरी हो जाता है। वैसा कहना मुश्किल है कि कोरोना का वायरस हमारे बीच से चला गया। वह कहीं गया नहीं बल्कि टीकाकरण से मिली हमारे शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता ने उसे रोक दिया। लेकिन दिक्कत यह है कि मौसम परिवर्तन चक्र के बीच में म्यूटेशन से इसके नये वेरिएंट सामने आते हैं। जिनका मुकाबला करने व शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति को इन्हें समझने में थोड़ा वक्त लगता है।

कोरोना संक्रमण की वापसी की आहट पहले हांगकांग व सिंगापुर में सुनाई दी। हांगकांग में कुछ ही मामलों में तीस लोगों के मरने की खबर है। वहीं सिंगापुर में एक मई तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 14 हजार से अधिक थी, जिसमें 19 मई तक तीन हजार नये संक्रमित जुड़ गए हैं। जिस चीन से कोरोना वायरस सारी दुनिया में फैला, वहां भी कोरोना के मामले तो बढ़े हैं लेकिन इस संख्या को सार्वजनिक नहीं किया गया। वहीं चीन का स्वास्थ्य विभाग कोरोना के मामलों में तेजी आने की आशंका जता रहा है। चिंता इस बात की भी है कि भारत में केरल, महाराष्ट्र व तमिलनाडु में कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। बताया जा रहा है कि एक जनवरी से 19 मई तक देश में ढाई सौ से अधिक संक्रमण के मामले दर्ज किए गए हैं। बढ़ते मामलों ने लोगों के मन में फिर से डर और चिंता पैदा कर दी है। क्योंकि जब साल 2020 में कोरोना आया था तो इसी तरह शुरूआत हुई थी। पहले इक्का दुक्का मरीज मिले थे। और फिर अचानक कोरोना विस्फोट हुआ था। इसीलिए डर है कि कहीं इस बार कोरोना की चौथी लहर तो नहीं आने वाली है। विशेषज्ञों के अनुसार अभी ये कोरोना तो एनवायरनमेंट में था और आने वाले कई सालों तक ये एनवायरनमेंट में रहने वाला है। ये एक चालाक वायरस है। हर थोड़े-थोड़े समय में अपना रूप बदल के म्यूटेंट बदल कर ये फैलता रहता है। तो ये कोरोना वायरस तो अब एक ज़िन्दगी का हिस्सा बनता जा रहा है। पिछले एक दो साल के अंदर का जो अनुभव है वो ये है की जो भी नई म्यूटेशन आ रही है वो म्यूटेशन उतनी घातक नहीं है जो हमने देखी है 2020-21 के अंदर जो देखी गई थी। ये सब माइल्ड वेरिएशंस है।

ये म्यूटेशंस है। जो वायरस में होती रहती है। अच्छी बात ये है की हम सब लोगों में कुछ ना कुछ आंशिक प्रतिरोधक क्षमता है कोरोना वायरस के लिए। इस वजह से हम इसको कंट्रोल कर पाते हैं। इस इंफेक्शन को हमारी बॉडी कंट्रोल कर पाती है। तो अभी जो ये नया वेरिएंट बन रहा है आ रहा है, उससे डरने की जरूरत नहीं है। लेकिन सावधानी बरतने की जरूरत है।

कोरोना संक्रमण में फिर से बढ़ोतरी के बीच सरकार ने अस्पतालों को आईसीयू बेड, ऑक्सीजन आपूर्ति और आवश्यक उपकरणों के साथ पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। संक्रमण की स्थिति पर नजर रखते हुए स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। बहरहाल, कोरोना के नये वायरस के संक्रमण को लेकर सरकार के स्तर पर गंभीर प्रयास करने तथा नागरिकों को सजग-सतर्क रहने की जरूरत है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह समय लापरवाह होने का नहीं है। बदलते मौसम और त्योहारों के मौसम को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें और लक्षण होने पर तुरंत जांच कराएं। देश में फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की लगातार निगरानी जारी है। सरकार आने वाले दिनों में टीकाकरण और निगरानी को और सख्त करने की योजना बना रही है। निस्संदेह, यह एक चुनौती है, लेकिन इससे घबराने की नहीं, समझदारी और सतर्कता से निपटने की जरूरत है। पिछली कई बड़ी कोरोना संक्रमण की लहरों ने हमें इस संक्रमण से मुकाबले के सबक दिए हैं। एक समय था जब हमारा चिकित्सा ढांचा इसके मुकाबले के लिये तैयार न था।

पाकिस्तान में तूफान से छह लोगों की मौत, कहीं घर गिरे, कहीं आसमानी बिजली से आफत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में 24 घंटे पहले आए शक्तिशाली तूफान से हुई तबाही का मंजर रफ्ता-रफ्ता सामने आने लगा है। इस तूफान से दो प्रांतों खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब में जान-माल की भारी क्षति हुई है। इस दौरान राजधानी इस्लामाबाद में लोगों को तेज हवा का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज टीवी चैनल की खबर के अनुसार, मुल्क के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब के कई इलाकों में शक्तिशाली तूफान आया। इससे कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। स्वाबी के मनकी गांव में तेज हवा के कारण चारदीवारी और छत गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसकी मां और भाई घायल हो गए। जियारत चाम बाबा में एक शेड की छत गिर जाने से एक महिला और उसका बेटा मलबे में फंस जाने से घायल हो गए।इसके अलावा शांगला के बिशाम में एक घर पर आसमानी बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य बेहोश हो गए। नौशेरा के रहीमाबाद इलाके में दीवार गिरने से एक युवक घायल हो गया। पेशावर में इस दौरान हुई बारिश से बचने के लिए भाग सात लोग गिरकर घायल हो गए। इस दौरान हयातबाद स्टेडियम के पास एक बिलबोर्ड से कार टकरा गई।

नेपाल और चीन की सेना के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास की तैयारी

काठमांडू। नेपाल और चीन के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास की तैयारी की जा रही है। इसके लिए चीन की जनमुक्ति सेना का एक प्रतिनिधिमंडल नेपाल आया है। इस वर्ष यह संयुक्त सैन्य अभ्यास नेपाल में ही होना है। चीन की जनमुक्ति सेना के झिंजियांग मिलिट्री कमांड का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार से नेपाली सेना के साथ इस वर्ष होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास की तैयारी के लिए आयोजित सम्मेलन में सहभागी हो रहा है। नेपाल और चीन के बीच सागरमाथा फ्रेंडशीप 2025 नाम से संयुक्त सैन्य अभ्यास होना है। यह दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास का पांचवा संस्करण है। 2017 से शुरू हुआ यह संयुक्त सैन्य अभ्यास 2019 तक लगातार चला लेकिन कोरोना महामारी की वजह से 2020 से 2023 तक नहीं हो पाया। पिछले वर्ष यह चीन में हुआ था। इस वर्ष यह नेपाल में होना तय हुआ है। इसकी तैयारी को लेकर नेपाली सेना के मुख्यालय में बुधवार से दो दिनों के लिए इनीशियल प्लानिंग कॉन्फ्रेंस हो रही है। इसमें सैन्य अभ्यास के स्थान और तिथि के बारे में निर्णय लिया जाएगा। नेपाली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल गौरव के सी ने बताया कि संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान एंटी टेररिस्ट अभियान का अभ्यास मुख्य रूप से किया जाएगा। इसके अलावा विपद व्यवस्थापन का अभ्यास भी किया जाना तय हुआ है।

अमेरिका-कनाडा सीमा पर पटेल परिवार की मौत मामला, भारतीय मूल के शख्स को अमेरिकी कोर्ट ने सुनाई 10 साल की सजा

न्यूयॉर्क । अमेरिकी अदालत ने मानव तस्करी मामले में भारतीय मूल के मास्टरमाइंड को 10 साल से अधिक की सजा सुनाई है। भारतीय मूल का व्यक्ति हर्षकुमार रमनलाल पटेल (29 वर्षीय) एक मानव तस्करी योजना का मास्टरमाइंड था, और उसके कारण एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई थी। परिवार अवैध तरीके से कनाडा के रास्ते अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। भारतीय मूल के हर्षकुमार रमनलाल पटेल को अमेरिका के मिनेसोटा के संघीय न्यायाधीश जॉन टुनहेम ने दस साल और एक महीने की सजा सुनाई है। इसके अलावा, उसके साथी स्टीव एंथनी शैंड (50 वर्षीय) को छह साल और छह महीने की सजा सुनाई गई है। यह घटना 19 जनवरी, 2022 को हुई थी, जब गुजरात के डिंगुचा के जगदीश बलदेवभाई पटेल (39 वर्षीय), उनकी पत्नी वैशालीबेन जगदीशकुमार पटेल (37 वर्षीय) और उनके बच्चे विहंगी (11 वर्षीय) और धार्मिक (3 वर्षीय) मिनेसोटा की सीमा पर मैनिटोबा प्रांत के पास माइनस 35 डिग्री तापमान को सह नहीं पाए और मर गए थे। वे हर्षकुमार पटेल द्वारा चलाई जा रही योजना के तहत अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। घटना वाले दिन मैनिटोबा प्रांत की सीमा पर स्थित क्षेत्र में तापमान शून्य से 35 डिग्री नीचे था।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों की संख्या मात्र 15 प्रतिशत हो : ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्याय पर विदेशी छात्रों की सूची देने का दबाव मनाते हुए कहा है कि ऐसे छात्रों की संख्या 31 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर देना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा है कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों की संख्या पर लगभग 15 प्रतिशत की सीमा होनी चाहिए। विश्वविद्याय अपने विदेशी छात्रों की सूची जारी करे जिससे यह पता चल सके कि छात्र कहां से आये हैं और उनकी गतिविधियां क्या हैं। श्री ट्रम्प ने दावा किया कि हार्वर्ड में 31 प्रतिशत छात्र विदेशी हैं और उनमें से कई 'कट्टरपंथी'हैं। उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कह,हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्र हैं। करीब 31 प्रतिशत छात्र बाहर के देशों के हैं। हम यह जानना चाहते हैं कि ये छात्र किन-किन देशों के हैं। हमें जानना है कि वे कहां से आते हैं, वे उपद्रवी तो नहीं हैं। क्या वे परेशानी पैदा करने वाले हैं? उन्होंने कहा हार्वर्ड को अपनी सूची दिखानी होगी। हमें जानना होगा कि वे छात्र कहां से आते हैं और क्या वे परेशानी पैदा करने वाले हैं।

हिन्दू राष्ट्र और राजशाही के पक्ष में मनीषा कोइराला का पुनर्जागरण का आह्वान

एजेंसी

काठमांडू। बॉलीवुड अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने नेपाल में हिन्दू राष्ट्र और संवैधानिक राजतंत्र की आवश्यकता पर जोर देते हुए इसके पुनर्स्थापना के लिए पुनर्जागरण अभियान के लिए आह्वान किया है। राजशाही के पक्ष में आज से शुरू हो रहे अनिश्चितकालीन प्रदर्शन से ठीक पहले मनीषा कोइराला ने कहा कि राजसंस्था दलगत व्यवस्था से ऊपर है। अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने एक लंबा चौड़ा फेसबुक पोस्ट डालते हुए राजतंत्र और हिन्दू राष्ट्र के पक्ष में बयान दिया है। अपनी फेसबुक पोस्ट में लिखते हुए मनीषा कोइराला ने कहा कि संवैधानिक राजतंत्र दलगत व्यवस्था से ऊपर है और यह राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है जो राजनीतिक दल अपने स्वभाव से कभी उस मुकाम तक नहीं पहुंच सकते हैं। कोइराला ने लिखा है कि राजतंत्र

हमारे सनातन धर्म और इतिहास में गहरे रूप से जुड़ा हुआ है। यह एक ऐसा संस्थागत आधार है जो हमारे मौलिक पहचान को दर्शाता है। मनीषा कोइराला ने कहा कि नेपाल को विश्व का एकमात्र शांतिपूर्ण हिन्दू अधिराज्य के रूप में अपनी पहचान को पुनः स्थापित करना पड़ेगा। जहां शासन बल या कट्टरता से नहीं बल्कि आध्यात्मिक मूल्य, सांस्कृतिक निरंतरता और राष्ट्रीय एकता से निर्देशित हो सके। मनीषा ने कहा है कि वर्तमान राजनीतिक प्रणाली में भ्रष्टाचार अपनी जड़े जमा चुका है। ऐसे में हमें एक गैर राजनीतिक संस्था चाहिए जो देश की जनता, हमारे सांस्कृतिक मूल्य मान्यताओं और राष्ट्र की रक्षा के लिए संतुलन और नियंत्रण का काम कर सके। उन्होंने कहा है कि यह विभाजन का नहीं बल्कि राष्ट्रीय पुनर्जागरण का आह्वान है। मनीषा ने लिखा है कि हमें नहीं भूलना चाहिए कि हम केवल एक ऐसा गणतंत्र नहीं जो अनंत राजनीतिक खेलों में उलझा हुआ है बल्कि हम एक गौरवशाली सभ्यता है जिसकी विशिष्ट पहचान है और भविष्य के प्रति पवित्र जिम्मेदारी है।

शहबाज अजरबैजान में सिंधु जल संधि का मुद्दा उठा ताजिकिस्तान रवाना

एजेंसी

बाकू (अजरबैजान)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अजरबैजान की यात्रा समाप्त कर ताजिकिस्तान के लिए रवाना हो गए। उन्होंने अजरबैजान में भारत के साथ दशकों पुरानी सिंधु जल संधि को स्थगित करने का मुद्दा उठाया। मगर इसे स्थगित क्यों किया इस पर गोलमोल बात की। उन्होंने कहा कि भारत पहलगाम पर हुए आतंकी हमले का दोष पाकिस्तान पर मढ़ रहा है पर उसके साक्ष्य नहीं दे रहा।पाकिस्तान के दुनिया न्यूज अखबार के अनुसार, शहबाज ने अजरबैजान में राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से मुलाकात की। अलीयेव ने त्रिपक्षीय (पाकिस्तान, तुर्किये और अजरबैजान) शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान में 2 बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की। इस अवसर पर शहबाज ने अपने हमदर्दों के बीच मासूम बनते हुए कहा कि भारत पाकिस्तान का पानी रोकना चाहता है। इसे कभी नहीं होने दिया जाएगा। सिंधु का पानी पाकिस्तान की जीवन रेखा है। शबहाज

ताजिकिस्तान में दो दिन रुकेंगे। वह वहां के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। व्यापार, ऊर्जा और निवेश पर चर्चा करेंगे। उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

ढाका में सचिवालय कर्मचारियों ने अध्यादेश के विरोध में एक घंटे तक नहीं किया कामकाज

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित सचिवालय के कर्मचारी अंतरिम सरकार के सुलह के दावों को धता बताते हुए आज सुबह 10 से 11 बजे तक कामकाज नहीं किया। यह कर्मचारी पिछले दिनों घोषित किए सरकारी सेवा (संशोधन) अध्यादेश-2025 का विरोध कर रहे हैं। पिछले सप्ताह सचिवालय स्टाफ और अंतरिम सरकार के बीच टकराव की वजह से स्थिति विस्फोटक रही। अंतरिम सरकार को सचिवालय में अर्ध सैन्यबलों की तैनाती करनी पड़ी। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, आज सचिवालय में विभिन्न मंत्रालयों के कर्मचारियों ने सरकारी सेवा (संशोधन) अध्यादेश-2025 के विरोध में एक घंटे तक कामकाज नहीं किया। इस अवधि में बांग्लादेश सचिवालय अधिकारी एवं कर्मचारी एकता मंच के आह्वान पर प्रदर्शन किया गया। मंच ने घोषणा की है कि जब तक अध्यादेश वापस नहीं लिया जाता, तब तक प्रतिदिन एक घंटे तक

कामकाज बंद रखा जाएगा। सचिवालय अधिकारी एवं कर्मचारी एकता मंच के नेता नजरुल इस्लाम ने कहा कि सभी कर्मचारी शांतिपूर्ण विरोध में विश्वास करते हैं। इसीलिए विवादास्पद अध्यादेश को निरस्त करने की मांग करते हुए आज एक घंटे का काम बंद रखा है। यह सिलसिला जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने रविवार शाम लोक सेवा (संशोधन) अध्यादेश-2025 जारी कर उसे लागू किया है। इसके मसौदे को अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद ने 22 मई को मंजूरी दी थी। सचिवालय के कर्मचारी पिछले शनिवार से ही अध्यादेश को निरस्त करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। मंच ने कहा कि अगर मांग नहीं मानी गई तो 31 मई से नए सिरे से विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी।

यूक्रेन ने रूस की सिलिकॉन वैली को ड्रोन से बनाया निशाना, मॉस्को में रोके गए विमान

एजेंसी

मॉस्को। यूक्रेन ने रूस में सिलिकॉनी वैली के नाम से मशहूर जेलेनोग्राद शहर और राजधानी मॉस्को के उत्तर में ताबड़तोड़ ड्रोन हमले कर नींद उड़ा दी। यूक्रेन ने सारी रात रूस में ड्रोन से महत्वपूर्ण स्थलों को निशाना बनाने की कोशिश की। रूस के अधिकारियों का दावा है कि इनमें ज्यादातर ड्रोन को मार गिराया गया। द मास्को टाइम्स अखबार के अनुसार यूक्रेन ने जेलेनोग्राद शहर को निशाना बनाने के साथ मॉस्को के उत्तर में एक मशीन-निर्माण संयंत्र पर बड़ा ड्रोन हमला किया। इस दौरान रूस के नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने मॉस्को के डोमोडेडोवो, वनुकोवो और जुकोवस्की हवाई अड्डों से आने-जाने वाली उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने 12 क्षेत्रों और मॉस्को में रात भर में लगभग 300 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि हवाई सुरक्षा प्रणाली ने रात में राजधानी की ओर बढ़ते हुए कम से कम 33 यूक्रेनी ड्रोन को मार

गिराया। राजधानी और उसके आसपास के क्षेत्र में कम से कम 42 ड्रोन को मार गिराया गया। इस दौरान तीन घर क्षतिग्रस्त हो गए। यूक्रेन के सेंटर फॉर काउंटरिंग डिसइन्फॉर्मेशन के प्रमुख एंड्री कोवलेंको ने दावा किया कि हमलों के लक्ष्यों में डबना मशीन-बिल्डिंग प्लांट और जेलेनोग्राद में इलमा टेक्नोपार्क शामिल थे। रूसी अधिकारियों ने कहा कि जेलेनोग्राड में दुश्मन के ड्रोन को खदेड़ दिया गया। इस बीच, यूक्रेन में रात भर हुए रूसी हमलों में कम से कम 15 लोग घायल हो गए। सनद रहे दोनों देश पिछले दो हफ्तों से एक-दूसरे पर हवाई हमले कर रहे हैं। इस बीच रूस ने कीव पर शांति वार्ता को पटरी से उतारने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

ट्रंप के ट्रैफिक पर ट्रेड कोर्ट के तीन जजों के पैनल ने रोक लगाई, कहा-यह अवैध

एजेंसी

वाशिंगटन। यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड के तीन जजों के पैनल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झटका देते हुए उनके कुछ देशों के खिलाफ लगाए गए अत्यधिक ट्रैफिक को रोक दिया। फैसले में कहा गया कि राष्ट्रपति ने संघीय कानून के तहत इस तरह का टैरिफ जारी करने में अपने अधिकारों का अतिक्रमण किया। यह ट्रैफिक अवैध है। न्यूज की खबर के अनुसार, जजों के पैनल ने यह फैसला सुनाया। इस फैसले ने पिछले महीने लिबरेशन डे पर व्यापारिक साझेदारों पर लगाए गए इस तरह के टैरिफ को रोक दिया है। पैनल ने चीन, मैक्सिको और कनाडा पर लगाए गए टैरिफ पर भी रोक लगा दी है। ट्रंप प्रशासन ने 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्ति अधिनियम हवाला देते हुए टैरिफ को

उचित ठहराया है। मगर जजों के पैनल ने इस तर्क को खारिज कर दिया। फैसले में कहा गया कि कांग्रेस से पारित किसी भी कानून के लिए राष्ट्रपति को टैरिफ निर्धारित करने का व्यापक अधिकार देना असंवैधानिक होगा। साथ ही यह टैरिफ राष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत अधिकृत नहीं हैं। ऐसा इसलिए कि इस तरह का टैरिफ गैर-आपातकालीन कानून के तहत आना चाहिए। ट्रंप प्रशासन ने संकेत दिया कि वह इस फैसले को संघीय सर्किट अपील न्यायालय में चुनौती देगा। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने टैरिफ के कारणों का बचाव करते हुए फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों के साथ अमेरिका के व्यापार घाटे ने राष्ट्रीय आपातकाल पैदा कर दिया है। इससे अमेरिकी समुदाय को काफी नुकसान हुआ है। देसाई ने ने कहा कि इन जजों को यह तय नहीं करना चाहिए कि राष्ट्रीय आपातकाल को कैसे ठीक से परिभाषित किया जाए। राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका को प्राथमिकता देने का वचन दिया है। वह इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। टैरिफ ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के एजेंडे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

इजराइल ने यमन के सना हवाई अड्डे पर किया मिसाइल हमला, हूती का आखिरी विमान नष्ट

एजेंसी

सना (यमन) । आतंकवादी समूह हूती के हमलों से आजिज इजराइल ने आज सुबह यमन की राजधानी सना के हवाई अड्डे पर ताबड़तोड़ मिसाइल हमला किया। हमले के बाद हवाई अड्डे के ऊपर धुआं उठता दिखा। इजराइल का कहना है कि सना हवाई अड्डे का इस्तेमाल हूती के आतंकी कर रहे हैं। इजराइल के रक्षामंत्री इजराइल कैट्ज ने इसकी पुष्टि की है। इजराइल की वेबसाइट वाई नेट न्यूज के अनुसार, रक्षामंत्री कैट्ज ने कहा कि इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने यह हमला यमन से हूती आतंकवादियों के हमले के जवाब में किया गया । इस हमले में हूती के आखिरी बचे विमान को नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि हूती के विमान को ऑपरेशन गोल्डन ज्वेल के तहत मटियामेट कर दिया गया है। इजराइली वायुसेना ने आज सुबह फिर यमन की राजधानी सना के हवाई अड्डे पर हमला किया। यमन में मिली खबरों के अनुसार, हवाई अड्डे पर कई बार हमला किया गया। रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने हमले की पुष्टि की और ऑपरेशन का नाम गोल्डन ज्वेल बताया। उन्होंने कहा कि जो कोई भी इजराइल पर हमला करेगा, उसे भारी कीमत चुकानी होगी। यमन में बंदरगाहों पर हमले जारी रहेंगे। हूती के अन्य रणनीतिक बुनियादी ढांचों को भी नष्ट किया जाएगा। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हूती को ईरान का समर्थन प्राप्त है। बावजूद इसके अमेरिका और इजराइल के हमलों ने हूती को भारी नुकसान पहुंचाया है।

'पाकिस्तान आतंकवादियों को भारत भेजकर कराता है खूनखराबा, मकसद हिन्दू-मुस्लिम दंगे भड़काना'

एजेंसी

रियाद (सऊदी अरब)। भारत दुनिया के प्रमुख देशों में पहलगाम में आतंकी हमला कराने वाले आतंकवाद पोषक पड़ोसी पाकिस्तान के कुटिल चेहरे से कलई उतार रहा है। इन दिनों भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्य कई देशों की यात्रा पर हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब में है। इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने रियाद में कहा कि आतंकवादी समूहों के वित्तपोषण पर अंकुश लगाने के लिए पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे सूची में वापस रखा जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान शराफत का लबादा ओढ़कर दुनिया के धोखा दे रहा है। सच यह है कि आतंकवादी संगठनों को पाकिस्तान में प्रशिक्षित किया जा रहा है और वे भारत में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। ओवैसी ने एक तस्वीर दिखाते हुए कहा कि इसमें पाकिस्तान के सेना प्रमुख के बगल में एक कुख्यात आतंकवादी बैठा हुआ है। इससे साबित होता है कि पाकिस्तान आतंकवादियों का साथ देता है। उन्होंने कहा कि असीम मुनीर को पाकिस्तान में फील्ड मार्शल बनाया गया तब उसके बगल में आतंकवादी मोहम्मद एहसान बैठा था। इस फील्ड मार्शल के साथ हाथ मिलाते हुए उसकी तस्वीरें हैं। पाकिस्तान में आतंकवादी फल-फूल रहे हैं। पाकिस्तान का इरादा आतंकवादियों के माध्यम से भारत को अस्थिर करना है। इसका मकसद है कि भारत में और अधिक हिंदू-मुस्लिम दंगे हों। उन्होंने कहा कि मुंबई हमले के बाद पाकिस्तान को सारे साक्ष्य दिए गए।

ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान नंबर एक का झूठा है। उसने पहले दावा किया कि मुख्य आरोपी साजिद मीर मर चुका है। बाद में उसने कुबूल किया कि एफएटीएफ की जांच के तहत वह जीवित है। इस प्रतिनिधिमंडल में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, भाजपा सांसद फंगनन कोन्याक, भाजपा सांसद रेखा शर्मा, सांसद सतनाम सिंह संधू, गुलाम नबी आजाद और राजदूत हर्ष श्रृंगला भी शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल का प्रमुख उद्देश्य 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ इसकी व्यापक लड़ाई के बारे में अंतरराष्ट्रीय भागीदारों को जानकारी देना है। पनामा सिटी में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो और विदेशमंत्री जेवियर मार्टिनेज आचा से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद विदेशमंत्री आचा ने कहा कि आतंकवाद के मामले में वह भारत के साथ हैं। पनाम किसी भी तरह के आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करता। पनामा लोकतांत्रिक देश हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। पनामा किसी भी तरह के आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मिलकर लड़ेगा।

नेपाल में भारतीय पत्रकारों पर रोक, बिना अनुमति रिपोर्टिंग करने पर होगी सजा

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू में 29 मई से राजतंत्र के पक्ष में एक बार फिर से शुरू होने जा रहे प्रदर्शन को देखते हुए नेपाल सरकार ने भारत सहित विदेशी मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत समेत अन्य देशों से नेपाल आने वाले पत्रकारों को सरकार से अनुमति मिलने के बाद ही रिपोर्टिंग करने को कहा गया है। प्रेस काउंसिल नेपाल ने विदेशी पत्रकारों के नेपाल आकर रिपोर्टिंग करने पर रोक लगाने की जानकारी दी है। वैसे तो कहने के लिए इस बयान में विदेशी मीडिया लिखा गया है, लेकिन यह प्रतिबंध भारतीय मीडिया में काम करने वाले पत्रकारों को लक्ष्य करके लगाया गया है। साथ ही नेपाल में होने वाले विरोध प्रदर्शन को अतिरंजित तरीके से दिखाने वाले पत्रकारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की हिदायत दी गई है। नेपाल सरकार ने जिन भारतीय न्यूज चैनलों के

स्थानीय प्रतिनिधियों को प्रेस पास दिया था, उन्हें या तो निलंबित कर दिया गया है या फिर उन्हें रिन्यू नहीं किया गया है, ताकि नेपाल में उन्हें रिपोर्टिंग करने से रोका जा सके। प्रेस काउंसिल के बयान में कहा गया है कि बिना सरकार की अनुमति के सीधे रिपोर्टिंग करने को गैर कानूनी माना जाएगा और ऐसा करने वाले पत्रकारों पर नेपाल सरकार के प्रचलित कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। प्रेस काउंसिल ने दावा किया है कि नेपाल सरकार प्रेस स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन प्रेस स्वतंत्रता के नाम पर इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। प्रेस काउंसिल ने अंत में विदेशी मीडिया संस्थानों और पत्रकारों को नेपाल की सार्वभौमकिता, राष्ट्रीयता, स्वाधीनता के विरोध में कोई भी खबर नहीं दिखाने, धार्मिक और सांप्रदायिक मामलों में संवेदनशील होने की अपील की है।

बांग्लादेश में जमात नेता एटीएम अजहरुल इस्लाम 14 साल बाद जेल से रिहा

ढाका। बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी के नेता एटीएम अजहरुल इस्लाम ने आज 14 साल बाद खुली हवा में सांस ली। जेल से रिहा होने पर वह काफी खुश नजर आए। उन्हें 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध के केस में गिरफ्तार किया गया था। इस्लाम ने रिहाई के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। दे डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, जमात-ए-इस्लामी के नेता एटीएम अजहरुल इस्लाम को आज जेल से रिहा कर दिया गया। एक दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध के आरोपों से मुक्त कर दिया था। केरानीगंज स्थित ढाका सेंट्रल जेल के अधिकारियों ने उनकी रिहाई की प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें सुबह करीब 9:15 बजे बांग्लादेश मेडिकल यूनिवर्सिटी से रिहा कर दिया । रिहाई के तुरंत बाद जमात नेता इस्लाम संगठन के अन्य नेताओं के साथ शाहबाग चौराहे पर एक रैली में शामिल हुए। उन्होंने कहा, 14 साल जेल में बिताने के बाद आज मुझे रिहा कर दिया गया है। मैं अब आजाद हूं। मैं एक आजाद देश का आजाद नागरिक हूं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट, अपने वकीलों, जुलाई विद्रोह में भाग लेने वालों, खास तौर पर छात्रों, सेना के सदस्यों और देश की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया।

एलन मस्क का ट्रंप प्रशासन से अलग होने का एलान, कहा-छोड़ रहा हूं वाशिंगटन

एजेंसी

वाशिंगटन। आखिर जिस बात का डर था, वही हुआ। कुछ समय से ट्रंप प्रशासन की कुछ नीतियों से नाराज चल रहे टेस्ला के सीईओ एलन मस्क सरकार से अलग गए। वह सरकारी दक्षता विभाग का राजपाट छोड़कर अपने कारोबार की दुनिया में लौट गए। इस साल जनवरी में एक अंतराल के बाद दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने सरकारी दक्षता विभाग का गठन कर उसकी जिम्मेदारी मस्क को सौंपी थी। इस विभाग के गठन का मकसद सरकारी खर्चों में कटौती करना था। मस्क ने कहा कि वह वाशिंगटन छोड़ रहे हैं।खबर के अनुसार, एलन मस्क ने कहा कि वे अपनी कंपनियों पर अधिक समय बिताने के लिए अब सरकार से अलग हो रहे हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों के अनुसार मस्क और राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अभी भी अच्छे संबंध हुए हैं। लेकिन उन्होंने (मस्क) यह स्पष्ट कर दिया है कि वे वाशिंगटन और संघीय नौकरशाही को उलटने के दौरान आई बाधाओं से निराश हैं।मस्क ने राष्ट्रपति ट्रंप के घरेलू नीति कानून पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि इससे राष्ट्रीय घाटा बढ़ेगा। उन्होंने प्रशासन के अधिकारियों से एक कंपनी की शिकायत की। इस कंपनी से मध्य पूर्व में एक कृत्रिम-बुद्धिमत्ता डेटा सेंटर बनाने के लिए एक समझौता किया गया था। इस

कंपनी ने ट्रंप की राजनीति के संचालन के लिए 100 मिलियन डॉलर का वादा किया था। ट्रंप का आरोप है कि इस कंपनी ने यह रकम अब तक नहीं दी। कभी खुद को ट्रंप का भरोसेमंद दोस्त बताने वाले मस्क ने अब उनसे कुछ फासला बना लिया है। उनका कहना है कि वे अब अपनी कंपनियों पर ध्यान देंगे। टेस्ला सीईओ एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से खुद को अलग करने की घोषणा एक्स पर की। पिछले दिनों मस्क ने ट्रंप के बिग ब्यूटीफुल टैक्स बिल की खुलकर आलोचना की थी। मस्क ने एक्स पर लिखा कि उनका विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में निर्धारित समय समाप्त हो रहा है। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को व्यर्थ व्यय को कम करने के अवसर के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। यह मिशन समय के साथ और मजबूत होगा। यह आने वाली सरकारों में जीवन का एक तरीका बन जाएगा। सनद रहे राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान दोनों के बीच अच्छे संबंध बने। मस्क ने ट्रंप की उम्मीदवारी का समर्थन ही नहीं किया बल्कि 25 करोड़ डॉलर का योगदान दिया। संयुक्त राज्य अमेरिका के इस घटनाक्रम से राष्ट्रपति और दुनिया के सबसे अमीर आदमी के बीच गठबंधन की गांठ इतनी जल्द छूट जाएगी, इसकी किसी को उम्मीद नहीं थी।

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए रवाना हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (महिला) के यूरोपीय चरण के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम बुधवार सुबह बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से एम्स्टर्डम (नीदरलैंड) के लिए रवाना हुई। टीम 8 जून तक नीदरलैंड के एम्सटर्डम में प्रशिक्षण लेगी। उसके बाद लंदन (यूके) जाएगी, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना के खिलाफ़ अपने मैच खेलने हैं। हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय महिला टीम 14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम से भिड़ेगी। उसके बाद 17 और 18 जून को अर्जेंटीना की महिला टीम से मैच खेलेगी। इसके बाद टीम 19 जून को एंटवर्प (बेल्जियम) जाएगी, जहां उसे बेल्जियम की राष्ट्रीय टीम के खिलाफ अगले दो मैच खेलने हैं। ये मैच 21 और 22 जून को खेले जाएंगे। यूरोपीय चरण का समापन वे 28 और 29 जून को जर्मनी के बर्लिन में चीन के खिलाफ दो मैचों के साथ करेंगे। रवाना होने से पहले भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि यह हमारे लिए एफआईएच प्रो लीग का एक बहुत ही महत्वपूर्ण चरण है, क्योंकि हम चार बहुत मजबूत टीमों का सामना करेंगे। हम इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेल चुके हैं और उनके और अन्य के खिलाफ अपने मैचों से पहले हम एम्स्टर्डम में अपनी रणनीति को और बेहतर बनाएंगे।

सिंगापुर ओपन 2025 : सत्विक-चिराग की जोड़ी अंतिम 16 में, लक्ष्य सेन चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली। सिंगापुर ओपन 2025, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट में भारत के सत्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पुरुष डबल्स के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी ने मलेशिया के मुहम्मद हाइकाल और चूंग हॉन जियान को 21-16, 21-13 से सिर्फ 37 मिनट में मात दी। मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर और रुत्विका गड्डे ने अमेरिका की चेन झी यी और फ्रांसेस्का कॉर्बेट को 21-16, 21-19 से 35 मिनट के राउंड ऑफ 32 मैच में हराया। इससे पहले लक्ष्य सेन को अपने राउंड ऑफ 32 मुकाबले के दौरान चोट लगने के कारण मैच छोड़ना पड़ा। उनका मुकाबला ताइवान के लिन चुन-यी से था। मुकाबले में निर्णायक गेम के दौरान स्कोर 21-15, 17-21, 5-13 था जब लक्ष्य मैच से हटे। महिला डबल्स में अमृता प्रमुथेश और सोनाली सिंह को जापान की दूसरी सीडेड जोड़ी, नामी मात्सुयामा और चिहारू शीदा से वॉकओवर मिला।आकार्शी कश्यप और उन्नति हूडा दोनों ने शुरूआती गेम तो जीता, लेकिन बाद में चीन की उच्च रैंकिंग वाली विपक्षी खिलाड़ियों के सामने हार गईं। आकार्शी 21-17, 13-21, 7-21 से तीसरी सीड हान यू के हाथों हार गईं, जबकि उन्नति 21-13, 9-21, 15-21 से दूसरी सीड वांग झी यी से पराजित हुईं।अनुपमा उपाध्याय को ताइवान की सुंग शुओ युन ने 12-21, 16-21 से हराया।

फोर नेशंस टूर्नामेंटःभारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना को शूटआउट में 2-0 से हराया

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चल रहे फोर नेशंस टूर्नामेंट में मेज़बान अर्जेंटीना को शूटआउट में 2-0 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा। भारत की ओर से कनिका ने 44वें मिनट में गोल दागा, जबकि शूटआउट में लालरिनपुई और लालथनतलुआंगी ने गोल कर टीम को जीत दिलाई। मेज़बान अर्जेंटीना ने मुकाबले की आक्रामक शुरुआत की और 10वें मिनट में मिलाग्रोस डेल वैले ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि, भारतीय टीम ने धैर्य नहीं खोया और तीसरे क्वार्टर में वापसी करते हुए कनिका ने 44वें मिनट में शानदार गोल दाग कर स्कोर 1-1 कर दिया। निर्धारित समय तक स्कोर बराबरी पर रहने के बाद मुकाबला शूटआउट में गया। यहां भारत की कप्तान और गोलकीपर निधि ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना के चारों प्रयासों को रोक दिया। वहीं, भारत की ओर से लालरिनपुई और लालथनतलुआंगी ने अपने मौके भुनाते हुए शूटआउट में गोल दागे और भारत को जीत दिला दी।

नॉर्वे शतरंज 2025: राउंड 2 के बाद नाकामुरा और अर्जुन एरिगैसी संयुक्त रूप से शीर्ष पर

स्टावेंगर। नॉर्वे शतरंज 2025 के दूसरे राउंड में रोमांच अपने चरम पर रहा, जहां अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और भारत के अर्जुन एरिगैसी ने शानदार जीत के दम पर संयुक्त रूप से टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और नंबर 2 हिकारू नाकामुरा के बीच बहुप्रतीक्षित भिड़ंत एक शांत क्लासिकल ड्रॉ के साथ समाप्त हुई। दोनों खिलाड़ियों की सटीक चालों ने गेम को संतुलन में रखा। लेकिन असली रोमांच अर्मागेडन में देखने को मिला। शुरुआती बढ़त कार्लसन के पास थी और वे जीत की ओर अग्रसर दिखे। मगर एंडगेम में एक चूक ने बाजी पलट दी और नाकामुरा ने एक चमत्कारी चाल के साथ मुकाबला जीतकर महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक हासिल किए।

एशियाई ऑल-स्टार्स ने प्रदर्शनी मैच में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। मैनचेस्टर यूनाइटेड को कुआलालंपुर स्थित बुकित जलिल मैदान में खेले गए एक प्रदर्शनी फुटबॉल मुकाबले में दक्षिण-पूर्व एशिया के चुनिंदा खिलाड़ियों की टीम एशियन ऑल-स्टार्स से 0-1 की हार झेलनी पड़ी। म्यांमार की पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कप्तान मौंग मौंग ल्विन ने 71वें मिनट में एकमात्र गोल कर अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

दर्शकों की हूटिंग का सामना, कोच अमोरीम ने मानी टीम की कमजोरी

कोच रुबेन अमोरीम की टीम को मुकाबले की अंतिम सीटी बजने के बाद दर्शकों की नाराज़गी का सामना करना पड़ा। कुछ समर्थक तो मुकाबला समाप्त होने से पहले ही मैदान छोड़कर चले गए। मैच के बाद अमोरीम ने कहा, हम धीमी गति से खेले और हमारे अंदर अभी यह भावना नहीं है कि हम हर अभ्यास

सत्र या हर खेल में जीत दर्ज करें। दर्शकों की नाराज़गी ज़रूरी है, ताकि हमें अपनी कमियाँ समझ में आएं। 32 डिग्री सेल्सियस (90 फ़ॉरेनहाइट) की गर्मी में शुरू हुए इस मुकाबले के पहले भाग में दक्षिण-पूर्व एशियाई खिलाड़ियों की टीम अधिक आक्रामक नजर आई। 16वें मिनट में उनका एक प्रयास गोल के पास से निकल गया, जबकि यूनाइटेड के रक्षक गोलपाल (गोलकीपर) आंद्रे ओनाना ने एक शानदार नीचे जाती हुई गेंद को रोककर दर्शकों का दिल जीत लिया।किशोर मिडफ़ील्ड खिलाड़ी कोबी मैनू ने यूनाइटेड के लिए पहला वास्तविक अवसर 25 गज से मारा, जिसे प्रतिद्वंद्वी गोलपाल ने बाहर भेज दिया। 38वें मिनट में उनका एक और प्रयास रेखा से पहले ही रोक लिया गया।

दूसरे भाग में ब्रूनो और गारनाचो की कोशिशें बेअसर

दूसरे भाग की शुरुआत में कप्तान ब्रूनो फर्नांडेस को मैदान में उतारा गया, जिनकी एक हाफ-वॉली ने थोड़ी ऊर्जा दिखाई, लेकिन परिणाम नहीं बदल सका। अर्जेंटीना के युवा विंगर एलेजांद्रो गारनाचो, जो संभवतः क्लब छोड़ सकते हैं, ने बेंच से उतरने के बाद कुछ तीव्रता जरूर लाई, लेकिन वह भी व्यर्थ रही। 71वें मिनट में मौंग मौंग ल्विन ने शानदार ढंग से यूनाइटेड की रक्षापंक्ति को छकाते हुए गोलपाल टॉम हीटन को पछाड़कर गेंद को जाल के ऊपरी कोने में पहुंचा दिया। जल्द ही हीटन ने एक और अवसर पर बचाव कर यूनाइटेड को और अधिक शर्मिंदगी से बचाया।

मैनचेस्टर यूनाइटेड अब 30 मई को एक और मिश्रित प्रदर्शनी मुकाबले में हांगकांग की राष्ट्रीय टीम से भिड़ेगा। यह सत्र यूनाइटेड के लिए बेहद निराशाजनक रहा, जिसमें उसे देश की प्रमुख फुटबॉल लीग में 38 मुकाबलों में केवल 42 अंक मिले और वह 15वें स्थान पर रही। हालांकि, सत्र के अंतिम मुकाबले में यूनाइटेड ने एस्टन विला को 2-0 से हराकर थोड़ी राहत पाई।

कायस्थ पाठशाला क्लब अंडर 16 लीग में बनी चैम्पियन

एजेंसी

प्रयागराज। कायस्थ पाठशाला क्लब ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस क्लब ए को 15 रन से हराकर मनीष देब-स्कंद गुप्त अंडर-16 क्रिकेट लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। केपी कॉलेज मैदान पर खेले गए मैच में केस पाठशाला क्लब ने 40 ओवर में सात विकेट पर 248 रन (अतुल यादव 81, अनमोल यादव 75, आर्यन पांडेय 27, विराट सिंह 25, मोहम्मद अली जफर खान 3-44, सागर यादव 3-54) बनाए। जवाब में नेताजी सुभाष चंद्र बोस क्लब ए की टीम 39.5 ओवर में 233 रन (सुहैब खान 102, वीर प्रताप 45, सागर यादव 23, आदित्य पाठक 3-45, सचिन मिश्रा 2-26, मोहम्मद अली 2-52) पर सिमट गई। मैच में शिशिर मेहरोत्रा व राहुल सिंह अंपायर एवं मोहम्मद सैफ स्कोरर रहे।

मैच से पहले कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट के महासचिव एवं इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक एसडी कौटिल्य ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक आरपी भटनागर, एसीए के संयुक्त

संयोजक (लीग एवं मंडल) एलबी काला और चौधरी नौनिहाल क्लब के सह सचिव सत्यव्रत सहाय ने उनका स्वागत और एसीए के संयुक्त संयोजक (प्रशासन) सोमेश्वर पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर अनुराग श्रीवास्तव, मोहम्मद आसिफ, उदय प्रताप सिंह, प्रीतेश सोनकर, अंकित पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

फ्रेंच ओपन 2025 : कार्लोस अल्कराज तीसरे राउंड में पहुंचे, कैस्पर रूड बाहर

एजेंसी

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2025 में टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने खतरनाक चुनौती पेश करने वाले हंगरी के अनसीडेड खिलाड़ी फैबियन मरोस्ज़न को 6-1, 4-6, 6-1, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं दो बार के फाइनलिस्ट कैस्पर रूड को करारी हार का सामना करना पड़ा, जबकि इटली के लोरेन्जो मुसेट्टी ने शानदार जीत दर्ज की।

अल्कराज ने मरोस्ज़न से पिछली हार का लिया बदला

स्पेनिश स्टार अल्कराज को दो साल पहले रोम में मरोस्ज़न ने चौंकाया था, लेकिन इस बार कोर्ट फिलिप शात्रिए पर हुए मुकाबले में 22 वर्षीय टॉप सीड ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले सेट में उन्होंने 4-0 की बढ़त ली और 6-1 से सेट अपने नाम किया। हालांकि दूसरे सेट में मरोस्ज़न ने बेहतरीन ड्रॉप शॉट्स के दम पर वापसी की और 6-4 से सेट जीत लिया। तीसरे सेट में अल्कराज ने फिर से अपना रंग जमाया और 6-1 से बढ़त बना ली। चौथे सेट में भले ही कुछ समय के लिए उनका खेल अस्थिर हुआ, लेकिन उन्होंने शानदार

नेट वॉली के साथ 5-2 की बढ़त बनाई और अंततः मुकाबला अपने नाम किया।

अब तीसरे दौर में अल्कराज का सामना जियोवानी मपेट्शी पेरीकार्ड या दामिर जुह्वार से होगा। इटली के आठवीं सीड लोरेन्जो मुसेट्टी ने कोलंबिया के लकी लूजर डेनियल गालन को 6-4, 6-0, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। कोर्ट सिमोने मथ्यू पर हो रही रुक-रुक कर बारिश ही उनके लिए एकमात्र चुनौती रही। अब मुसेट्टी का सामना अर्जेंटीना के मारियानो नावोने या अमेरिका के राइली ओपेल्का से होगा।नॉर्वे के कैस्पर रूड, जो 2022 और 2023 में फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, इस बार दूसरे दौर में ही बाहर हो गए। उन्हें पुर्तगाल के अनसीडेड खिलाड़ी नूनो बोरजेस ने 2-6, 6-4, 6-1, 6-0 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। यह रूड के लिए बेहद निराशाजनक हार रही।

थाईलैंड मैत्री मैच के लिए सुहैल भट, निखिल भारतीय फुटबॉल टीम में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने थाईलैंड के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच के लिए भारतीय टीम का चयन किया।

कोलकाता में 19 मई से चल रहे प्रशिक्षण कैंप में शामिल सभी 28 खिलाड़ी थाईलैंड के लिए यात्रा करेंगे। इसमें बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले खिलाड़ी निखिल प्रभु, ऋतिक तिवारी, गुरमीत सिंह और सुहैल अहमद भट भी शामिल हैं। भारतीय टीम बुधवार शाम थाईलैंड के लिए रवाना होगी, जबकि यह फ्रेंडली मैच 4 जून को खेला जाएगा। थाईलैंड दौरे के बाद भारत टीम एशियाई कप 2027 के क्वालीफायर के तीसरे राउंड के मैच के लिए हांगकांग जाएगी, जो 10 जून को होगा।

थाईलैंड फ्रेंडली के लिए भारत टीम:

गोलकीपरः ऋतिक तिवारी, विशाल कैथ, गुरमीत सिंह, अमरिंदर सिंह।

डिफेंडरः नाओरेम रोशन सिंह, राहुल भेके, चिंगलेंसाना सिंह कोशाम, अनवर अली, बॉरिस सिंह थांगजाम, संदेष झींगन, आशिष राय, सुभाशिष बोस, मेहताब सिंह, अभिषेक सिंह टेकचाम।

मिडफील्डरः सुरेश सिंह वांगजाम, महेश सिंह नाओरेम, आयुष देव छेत्री, उदांता सिंह कुमाम, ललेंगमाविया राल्टे, लिस्टन कोलाको, आशिक कुरुनियान, ब्रैंडन फर्नांडिस, निखिल प्रभु।

फॉरवर्डः सुनील छेत्री, एडमंड लालरिंदिका, मनवीर सिंह, सुहैल अहमद भट, लल्लियांजुला छांगटे।

मनिका बत्रा चोट के चलते यूटीटी 2025 से बाहर, अयहिका मुखर्जी को मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनीका बत्रा छठे संस्करण के अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) से बाहर हो गई हैं। वह चोट के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगी। उनकी जगह अब अयहिका मुखर्जी अहमदाबाद एसजी पाइपर्स की टीम में शामिल होंगी।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में लगी चोट, रिहैब में हैं मनिका

मनिका बत्रा को हाल ही में संपन्न हुई टेबल टेनिस वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 के दौरान चोट लगी थी। फिलहाल वह रिहैब से गुजर रही हैं। टूर्नामेंट में मनिका को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा था, जहां वह रैंकिंग में नीचे चल रही कोरियाई खिलाड़ी पार्क गाह्योन (रैंक 64) से राउंड ऑफ

64 में हार गई थीं। उस समय मनिका की विश्व रैंकिंग 46 थी, जो अब गिरकर 47 हो गई है। यूटीटी के पहले-एवर ऑक्शन में मनीका बत्रा को अहमदाबाद एसजी पाइपर्स ने टीम में शामिल किया था। इससे पहले वह पीबीजी पुणे जैगुआर्स की ओर से खेलती थीं, जिन्होंने उन्हें रिलीज कर दिया था।

टीम में अन्य प्रमुख खिलाड़ी मनिका की गैरमौजूदगी में टीम पर असर पड़ सकता है। हालांकि, टीम में अन्य अहम खिलाड़ी भी हैं, जिनमें रिकार्डो वाल्थर, एसएफआर स्नेहित, जॉर्जिया पिकोलिन, दिव्यांश श्रीवास्तव और याशिनी शिवशंकर शामिल हैं।

अयहिका को मिलेगा खुद को साबित करने का मौका

अयहिका मुखर्जी, जो यूटीटी नीलामी में अनसोल्ड रहीं थीं, अब मनिका की जगह लेने जा रही हैं। उनके लिए यह एक बड़ा मौका होगा, लेकिन साथ ही मनिका जैसी स्टार खिलाड़ी की भरपाई करना उनके लिए एक बड़ी चुनौती भी होगी।

अंडर-15 वर्ग फुटबाल प्रतियोगिता में गर्ल्स स्कूल घरोह तथा ब्वायज में रोज पब्लिक स्कूल बने विजेता

एजेंसी

धर्मशाला। धर्मशाला के पुलिस ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय अंडर-15 फुटबाल टूर्नामेंट के ब्वायज वर्ग में रोज पब्लिक स्कूल ने नूरपुर एमटीपी स्कूल को हराकर अपना दबदबा कायम किया। इसी तरह से गर्ल्स वर्ग में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल घरोह ने स्टैनफोर्ड वर्ल्ड स्कूल को हराकर खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट के समापन समारोह में पुलिस महानिरीक्षक, नॉर्दर्न रेंज अभिषेक दुल्लर ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एडीएम शिल्पी बेक्टा तथा एसीटूडीसी सुभाष गौतम बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। पुलिस महानिरीक्षक नॉर्दर्न रेंज अभिषेक दुल्लर ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास में खेलों की अहम भूमिका है। खेलों के माध्यम से ही युवाओं को नशे से दूर रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी युवाओं को खेलों से जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा देश की ताकत हैं। स्वस्थ युवा ही समाज निर्माण में बेहतर भूमिका का निर्वहन सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने फुटबाल एसोसिएशन के पदाधिकारियों को सफल खेल आयोजन के लिए बधाई भी दी। इससे पहले फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष वरूण गुप्ता ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कहा कि तीन दिवसीय टूर्नामेंट में 16 स्कूलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें 16 ब्वायज वर्ग में तथा आठ गर्ल्स वर्ग में टीमों ने अपना प्रदर्शन किया।

बीबीएलः जैमी ओवर्टन की एडिलेड स्ट्राइकर्स में वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के ऑलराउंडर जैमी ओवर्टन बिग बैश लीग (बीबीएल) के अगले सीज़न में एक बार फिर एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए खेलते नज़र आएंगे। फ्रेंचाइज़ी ने उन्हें आगामी ओवरसीज़ ड्राफ्ट से पहले इंटरनेशनल प्री-साइनिंग के तहत टीम में शामिल कर लिया है। ओवर्टन पिछले दो सीज़न में स्ट्राइकर्स के लिए 18 मुकाबले खेल चुके हैं और उन्हें पिछले सीज़न का 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' (एमवीपी) भी चुना गया था। उन्होंने अब तक 27 विकेट चटकाए हैं और 8.81 की इकॉनमी से गेंदबाज़ी की है। वहीं बल्लेबाज़ी में भी उन्होंने शानदार फिनिशर की भूमिका निभाई, 276 रन बनाए जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 150.81 रहा। सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ पिछले सीज़न के मुकाबले में उन्होंने सिर्फ 14 गेंदों में नाबाद 32 रन ठोके थे। बीबीएल में पिछले साल से एक नया नियम लागू हुआ है, जिसके तहत टीमें एक विदेशी खिलाड़ी को ड्राफ्ट से पहले

साइन कर सकती हैं, बशर्ते वह पूरा सीज़न और फाइनल मुकाबले खेलने के लिए उपलब्ध हो। इससे सीज़न के आखिरी चरण में खिलाड़ियों के बाहर जाने की समस्या को दूर करने की कोशिश की गई है। स्ट्राइकर्स के कोच टिम पेन ने ओवर्टन को फिर से साइन किए जाने पर खुशी जताई। उन्होंने फ्रेंचाइज़ी की ओर से जारी एक बयान में कहा,जैमी को ड्राफ्ट से पहले साइन करना हमारी प्राथमिकता थी। पिछले दो सीज़न में उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से जबरदस्त प्रदर्शन किया है और उनकी एनर्जी पूरी टीम में जोश भर देती है। वह कुछ ही ओवर में मैच का रुख बदल सकते हैं। वहीं ओवर्टन ने भी वापसी को लेकर उत्साह जताते हुए कहा,मैं एडिलेड लौटकर बेहद खुश हूं। स्ट्राइकर्स के साथ मेरा अनुभव शानदार रहा है और एडिलेड ओवल में हमें जो सपोर्ट मिलता है, वो कमाल का होता है। इस बार हमारी नजरें बीबीएल खिताब पर होंगी।

ओवर्टन की साइनिंग के साथ अब सिडनी सिक्सर्स इकलौती टीम बची है जिसने अभी तक कोई विदेशी खिलाड़ी प्री-साइन नहीं किया है। दूसरी ओर कॉलिन मुनरो (ब्रिसबेन हीट), क्रिस जॉर्डन (होबार्ट हरिकेन्स), टिम सिफर्ट (मेलबर्न रेनेगेड्स), टॉम करन (मेलबर्न स्टार्स), फिन एलेन (पर्थ स्कॉर्चर्स) और सैम बिलिंग्स (सिडनी थंडर) पहले से ही दो साल के करार पर हैं।

स्ट्राइकर्स की टीम में अगले सीज़न कुछ बदलाव भी होंगे। ब्रेंडन डॉगेट और जेक वेदराल्ड फ्री एजेंट के तौर पर क्रमशः रेनेगेड्स और हरिकेन्स से जुड़ गए हैं। वहीं साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले जेसन सांघा अब थंडर से स्ट्राइकर्स में शामिल हो गए हैं।

लिवरपूल परेड हमला अपडेटः हत्या के प्रयास के संदेह में ड्राइवर गिरफ्तार

लिवरपूल। लिवरपुल में हुए हादसे के बाद पुलिस ने 53 वर्षीय ब्रिटिश व्यक्ति, जिसने अपनी गाड़ी से प्रीमियर लीग चैंपियनशिप का जश्न मना रहे लिवरपूल के प्रशंसकों की भीड़ को टक्कर मार दी थी, जिसमें 65 लोग घायल हो गए थे, को हत्या के प्रयास के संदेह में गिरफ्तार किया है। बता दें कि इंग्लैंड के लिवरपूल शहर में फुटबॉल क्लब की प्रीमियर लीग जीत की खुशी में निकाली गई परेड के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया था। भीड़ में तेज़ रफ्तार वैन घुस जाने से 65 लोग घायल हो गए, जिनमें से 50 को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। 11 लोगों की हालत अभी भी स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि 53 वर्षीय ब्रिटिश ड्राइवर को हत्या के प्रयास, खतरनाक ड्राइविंग और नशे में वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिपः मनप्रीत गोनी के आलराउंड प्रदर्शन से अमेरिकन स्ट्राइकर्स की जीत

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप में दूसरे दिन का पहला मुकाबला अमेरिकन स्ट्राइकर्स के नाम रहा। उन्होंने 35 रन से इस मुकाबले को जीतकर लीग में धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराई। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरे अमेरिकन स्ट्राइकर्स के सलामी बल्लेबाज गौरव तोमर ने 28 गेंद में 65 रन बनाकर टीम को ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई, जिसके बाद अयान खान (24), मनप्रीत गोनी (39) और पी मेहरा (35) ने पारी को आगे बढ़ाते हुए टीम को 7 विकेट के नुकसान पर 214 रनों के विशालकाय स्कोर तक पहुंचा दिया। बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन के साथ मनप्रीत गोनी ने गेंदबाजी में भी एक विकेट झटका, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार ने नवाजा गया। लक्ष्य का पीछा करने

उतरी ट्रांस टाइटंस की शुरुआत कुछ खास नहीं रही और उसने शुरुआती ओवरों में ही अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों ऋषि धवन (1) और अठावले (5) के विकेट को गंवा दिया। हालांकि उसके बाद वी सूद (21), पी शाह (33), हिमांग (31) और अवाना (36) ने टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन कोई भी अपने रनों को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सका, जिसके चलते पूरी टीम निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 179 रन ही बना पाई और 35 रनों से इस मुकाबले को हार गई। अब अमेरिकन स्ट्राइकर्स अपना अगला मुकाबला 29 मई को उद्घाटन मुकाबले की विजेता इंडियन वॉरियर्स के साथ खेलेंगी।

28वीं अंतर्वाहिनी पीएसी पश्चिम जोन हॉकी प्रतियोगिता का शुभारम्भ

मुरादाबाद। 24 वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद में 28वीं पीएसी पश्चिम जोन हॉकी प्रतियोगिता का भव्य शुभारम्भ वाहिनी हॉकी ग्राउंड पर हुआ। तीन दिनों तक चलने वाली इस हॉकी प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी बरेली अनुभाग शालिनी ने फीता काटकर व गुब्बारे उड़ाकर किया। सर्वप्रथम आयोजन सचिव सेनानायक रमेश प्रसाद गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। डीआईजी शालिनी ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रहे पश्चिम जोन की कुल 14 टीम के मैनेजरों से परिचय प्राप्त किया। हॉकी प्रतियोगिता के प्रारम्भ होने से पूर्व मेजबान टीम के कप्तान द्वारा उक्त प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाले जोन के समस्त टीमों के खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में सच्ची खेल भावना से खेलने एवं खेल के नियम व मर्यादाओं का पालन करने की शपथ दिलायी गयी। मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक ने प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाली सभी टीमों के मैनेजरों व खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन व खेल भावना का पालन करने हेतु निर्देशित कर

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इसके बाद उन्होंने हॉकी स्टिक से बाल को मारकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। आयोजन सचिव सेनानायक रमेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता के पहले दिन कुल 6 मुकाबले खेले गये। पहला मैच 08वीं वाहिनी पीएसी बरेली तथा 9वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद के मध्य खेला गया जिसमें 08 वीं वाहिनी पीएसी बरेली 3-0 से विजेता रही। दूसरा मैच 28 वीं वाहिनी पीएसी इटावा तथा 06 वीं वाहिनी मेरठ के मध्य खेला गया जिसमे 28 वीं वाहिनी इटावा 4-0 से विजेता रही। तीसरा मैच 38 वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़ तथा 45 वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़ के मध्य खेला गया। जिसमे 38 वीं वाहिनी पीएसी 6-0 से विजेता रही। शेष मैच अपराह्न में 3 बजे से खेले जाने हैं। इस अवसर पर उप सेनानायक 09 वीं वाहिनी वंशराज यादव, सहायक सेनानायक 24 वीं वाहिनी विक्रांत द्विवेदी, शिविरपाल मोहम्मद हकीमुद्दीन, सुबेदार मेजर राहुल शर्मा, सहायक शिविरपाल विनीत कुमार एवं वाहिनी तथा जोन के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुछ नहीं होगा तुम्हें...दीपिका कक्कड़ को कैंसर, गौरव खन्ना

गौहर खान

समेत सेलेब्स ने भेजी दुआएं

टेलीविजन की मशहूर एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक बेहद दुखद खबर साझा की है. उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्हें स्टेज 2 लिवर कैंसर है. इस खबर ने न केवल उनके लाखों फैंस को बल्कि पूरी इंडस्ट्री को सदमे में डाल दिया है. दीपिका के इस खुलासे के बाद, उनके पुराने सह-कलाकारों से लेकर इंडस्ट्री के दोस्तों और करीबियों तक, हर कोई उनकी सोशल मीडिया पोस्ट पर कमेंट करते हुए उनके जल्द स्वस्थ होने और इस मुश्किल घड़ी से निकलने के लिए लगातार दुआएं और हिम्मत भेज रहा है.

दीपिका की पोस्ट पर कमेंट करते हुए उनके कई साथियों ने अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं. हाल ही में 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में उनके साथ काम कर चुके गौरव खन्ना यानी की 'अनुपमा' के अनुज ने दीपिका की सोशल मीडिया पोस्ट के नीचे लिखा कि स्टे स्ट्रॉन्ग, दीपिका. हम सभी मिलकर तुम्हारे लिए दुआ करेंगे. हमें यकीन है कि तुम इसे जरूर हराओगी. कभी उम्मीद मत हारना. तो इसी शो के एक और कंटेस्टेंट राजीव अदातिया ने कमेंट किया, हमेशा तुम्हारे साथ हूं दीपिका!!! तुम एक मजबूत लड़की और फाइटर हो! तुम ठीक हो जाओगी! तुम्हें ढेर सारा प्यार और बहुत सी ताकत भेज रहा हूं!

गौहर खान और मेघा धाडे ने भी भेजी दुआएं

दीपिका और शोएब के अच्छी दोस्त गौहर खान ने अपनी दुआएं भेजते हुए लिखा, मेरी सारी दुआएं दीपिका तुम्हारे साथ हैं. अल्लाह तुम्हें ठीक करे और तुम्हें एक अच्छी, लंबी जिंदगी दे. आमीन. 'बिग बॉस 12' में दीपिका के साथ रही मेघा धाडे ने भी दिल से कहा, दीपी कुछ नहीं होगा तुम्हेंज्मैं बस इतना जानती हूं कि तुम बहुत अच्छी इंसान हो और अच्छे लोगों की भगवान परीक्षा लेते हैं पर उनका कुछ बुरा नहीं हो सकता. हम सब तुम्हारे लिए प्रार्थना कर रहे हैं..!!! बाप्पा तुम्हें आशीर्वाद दें. जल्दी से ठीक हो जाओगी तुम, घबराना नहीं बिल्कुल.. हम तुमसे प्यार करते हैं.

'ससुराल सिमर का' की टीम ने भी दिया साथ

दीपिका के पॉपुलर शो 'ससुराल सिमर का' के सह-कलाकार अविका गौर और जयंती भाटिया ने भी उन्हें प्यार और प्रार्थनाएं भेजीं. अविका ने लिखा कि मैं आपकी शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रही हूं, दी. वहीं जयंती भाटिया ने कहा-'तुम एक बहुत बहादुर लड़की होज.अपनी ताकत बनाए रखो.' इन सितारों के अलावा, श्रद्धा आर्या, आकांक्षा रावत, आरती सिंह और डेलनाज़ ईरानी सहित कई अन्य सेलेब्रिटीज ने दीपिका के की हौसलाअफजाई की है.

'बिग बॉस 19' के साथ OTT के सीजन 4 की कमान भी संभालेंगे सलमान खान!

टेलीविजन के सबसे बड़े रियलिटी शो 'बिग बॉस' के फैंस के लिए इस बार डबल खुशखबरी है. जहां एक तरफ 'बिग बॉस सीजन 19' की तैयारियां जोरों पर हैं, वहीं अब झङ्क9 हिंदी डिजिटल को 'बिग बॉस' से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि इसके ओटीटी वर्जन 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 4' की कमान भी 'भाईजान' सलमान खान ही संभालेंगे. अगर ये खबर सच साबित होती है, तो दर्शकों को लगातार सलमान खान का 'बिग बॉस' वाला अंदाज टीवी और ओटीटी, दोनों प्लेटफार्म पर देखने को मिलेगा.कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर 'बिग बॉस' के मेकर्स और कलर्स टीवी के बीच अनबन की खबरें वायरल हो रही थीं. इस दौरान ये भी कहा जा रहा था कि 'बिग बॉस' सोनी टीवी पर शिफ्ट हो सकता है. लेकिन झङ्क9 हिंदी डिजिटल ने आपको सबसे पहले बताया था कि ये बात महज एक अफवाह है. अब सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, 'बिग बॉस' के साथ-साथ 'बिग बॉस ओटीटी' भी अपनी वापसी के लिए तैयार है और इस बार सलमान खान ही इन दोनों शोज को होस्ट करेंगे.

अगस्त में आएगा 'बिग बॉस ओटीटी 4'

जानकारी के मुताबिक, अगस्त 2025 में 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 4' जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा. ये सीजन लगभग 6 से 8 हफ्ते चलेगा और इस सीजन के खत्म होने के डेढ़ महीने बाद, यानी अक्टूबर 2025 में कलर्स टीवी पर सलमान खान के 'बिग बॉस सीजन 19' की शुरुआत होगी. भले ही सलमान खान ने अब तक 'बिग बॉस ओटीटी 4' को होस्ट करने के लिए हामी नहीं भरी है, लेकिन मेकर्स को पूरा विश्वास है कि वे दबंग खान को ओटीटी का सीजन होस्ट करने के लिए भी मना लेंगे.

करण जौहर ने की थी शुरुआत

'बिग बॉस ओटीटी' के पहले सीजन को करण जौहर ने होस्ट किया था, जिसकी विनर दिव्या अग्रवाल थीं. लेकिन इस शो का दूसरा सीजन खुद सलमान खान ने ही संभाला था. सलमान खान द्वारा होस्ट किया गया ओटीटी का ये सीजन सबसे ज्यादा सफल रहा, जिसमें यूट्यूबर एल्विश यादव ने 'बिग बॉस' की ट्रॉफी अपने नाम की थी. दूसरे सीजन को मिली जबरदस्त सफलता के बावजूद सलमान ने 'बिग बॉस ओटीटी 3' को होस्ट करने का ऑफर रिजेक्ट कर दिया था. उस समय अनिल कपूर ने 'बिग बॉस ओटीटी 3' के होस्ट की कुर्सी संभाली थी, हालांकि वो सीजन कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाया था.

काला चश्मा, सफेद लहंगा...दोस्त की शादी में दिखा आलिया भट्ट का अनोखा अंदाज, 'बोले चूड़ियां' पर किया जमकर डांस

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने कान्स 2025 में डेब्यू किया है और पिछले दिनों उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल रहीं. लोगों ने आलिया का कान्स वाला लुक काफी पसंद किया था. अब आलिया की कुछ और तस्वीरें, वीडियो सामने आए हैं जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. आलिया इन दिनों स्पेन में हैं जहां वो अपनी खास दोस्त तान्या शाह गुप्ता की शादी अटैंड करने गई हैं.सामने आई आलिया भट्ट की तस्वीरों में उन्होंने सफेद रंग का बेहतरीन लहंगा और काला चश्मा पहना है. इसमें आलिया बेहद स्टाइलिश और खूबसूरत नजर आ रही हैं. आलिया की इन तस्वीरों के साथ एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आलिया भट्ट अपनी गर्ल गैंग के साथ सुपरहिट गाना 'बोले चूड़ियां' पर डांस करती दिख रही हैं.

दोस्त की शादी में आलिया भट्ट का जलवा

आलिया भट्ट के फैन पेज के एक्स हैंडल पर एक तस्वीर शेयर की गई है, जिसमें आलिया भट्ट अपनी कई दोस्तों के साथ नजर आ रही हैं. इसमें दुल्हन तान्या शाह गुप्ता भी हैं और बाकी दोस्त भी लहंगा पहने हैं. लेकिन आलिया भट्ट सबसे अलग रही हैं, उन्होंने सफेद लहंगा और काला चश्मा पहना है जो उन्हें सबसे अलग बना रहा है.

'बोले चूड़ियां' गाने पर आलिया भट्ट ने किया डांस

इसी फैन पेज पर एक वीडियो भी शेयर किया जा गया है. इस वीडियो में कुछ लड़किया और एक लड़का है जो डांस करते दिख रहे हैं.

इस ग्रुप में आलिया भट्ट भी डांस कर रही हैं और बैकग्राउंड में 'बोले चूड़ियां' गाना बज रहा है जो 2001 में रिलीज हुई करण जौहर की ब्लॉकबस्टर फिल्म कभी खुशी कभी गम का है. इस शादी में आलिया भट्ट ने फ्यूजन लहंगा पहना है और उसपर उन्होंने ओवरकोट पहना है.

जो उनकी ड्रेस में चार-चांद लगाने का काम कर रहा है. लहंगे पर आलिया ने बोल्ड ब्लाउज पहना है और इस ड्रेस में आलिया भट्ट क्यूट दिख रही हैं.

आलिया वैसे भी हर ड्रेस में अच्छी दिखती हैं लेकिन जब वो ट्रेडिशन ड्रेस पहनती हैं तो और भी खूबसूरत दिखती हैं. इस बार तो आलिया ने ट्रेडिशन ड्रेस में वेस्टर्स का तड़का दिया जो उन्हें सबसे अलग बनाता है.

करीना कपूर के भाई से ब्रेकअप के बाद जिस लड़के से इश्क लड़ा रहीं

तारा सुतारिया

वो सारा अली खान को कर चुका है डेट!

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस तारा सुतारिया अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में बनी रहती हैं. बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस अब फिर से किसी के प्यार में है. रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि तारा सुतारिया को अब अक्षय कुमार के को-एक्टर वीर पहाड़िया से प्यार हो गया है. दोनों को लगातार साथ में देखा जा रहा है और अब सूत्र ने दोनों का रिश्ता कन्फर्म कर दिया है.

वीर पहाड़िया पर आया तारा का दिल

ई टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र ने जानकारी देते हुए बताया है कि तारा और वीर पहाड़िया को एक दूसरे से प्यार हो गया है. सूत्र ने कहा, तारा सुतारिया, वीर पहाड़िया को डेट कर रही हैं. दोनों ने कुछ महीनों पहले ही एक दूसरे को डेट करना शुरू किया है. दोनों साथ में क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं और फिलहाल एक दूसरे को समझ रहे हैं.

पहली बार कहां साथ दिखे थे वीर-तारा ?

वीर और तारा को पहली बार साथ में एक फैशन वीक के दौरान देखा गया था. जहां दोनों शो स्टॉपर थे. इसके बाद से तारा और वीर को कई बार साथ में डिनर डेट पर स्पॉट किया गया. हालांकि अभी तक दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को लेकर कुछ नहीं कहा है. दोनों ने ही इस मामले में फिलहाल चुप्पी साध रखी है.

सारा अली खान संग जुड़ चुका है वीर का नाम

तारा से पहले वीर का नाम जानी-मानी एक्ट्रेस सारा अली खान संग जुड़ चुका है. दोनों के अफेयर की काफी चर्चा हुई थी. हालांकि इस रिश्ते को कोई मंजिल नहीं मिल पाई और जल्द ही दोनों कलाकार अलग हो गए थे. वहीं तारा का नाम अरुणोदय सिंह और आदर जैन से जुड़ चुका है.

4 साल तक तारा ने आदर को किया था डेट

तारा सुतारिया, आदर जैन संग अपने रिश्ते को लेकर काफी सुर्खियों में रही हैं. आदर जैन, रणबीर कपूर और करीना कपूर खान की बुआ रीमा जैन के बेटे हैं. आदर ने तारा को साल 2019 से डेट करना शुरू किया था और साल 2023 तक दोनों साथ रहे. हालांकि फिर दोनों का ब्रेअकप हो गया था. ब्रेअकप के बाद आदर ने अलेखा आडवाणी से शादी करके घर बसा लिया. जबकि तारा का नाम अब वीर पहाड़िया संग जुड़ रहा है.

प्रधानमंत्री मोदी ने 'प्रगति' बैठक की अध्यक्षता की

तीन प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा की

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने को 'प्रगति' बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री ने तीन प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा की, जिनकी कुल लागत 62,000 करोड़ रुपये से अधिक है। प्रधानमंत्री ने इन परियोजनाओं के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया और समय पर पूरा करने के लिए सभी प्रयासों को एकजुट करने की आवश्यकता की बात कही। उन्होंने परियोजना में देरी के प्रतिकूल प्रभावों को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे न केवल लागत बढ़ती है, बल्कि नागरिकों को आवश्यक सेवाओं और अवसंरचना से वंचित भी किया जाता है। इसके अलावा, उन्होंने रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) से जुड़े जन शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने सभी पात्र रियल एस्टेट परियोजनाओं का अनिवार्य पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकारों को निर्देशित किया।

'प्रगति' एक आईसीटी-आधारित मल्टी-मोडल प्लेटफार्म है, जिसका उद्देश्य सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन को बढ़ावा देना है। इस बैठक में केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने भारत में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के विकास से जुड़ी सर्वोत्तम प्रथाओं की भी समीक्षा की।

उल्लेखनीय है कि अब तक की 'प्रगति' बैठकों में कुल 373 परियोजनाओं की समीक्षा की जा चुकी है, जिनकी कुल लागत लगभग 20.64 लाख करोड़ रुपये है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सुखदेव सिंह ढिंडसा के निधन पर शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुखदेव सिंह ढिंडसा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने उन्हें एक महान नेता बताया, जिनकी बुद्धिमत्ता और जन सेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता थी। प्रधानमंत्री ने की रात एक्स पर लिखा, "सुखदेव सिंह ढिंडसा का निधन हमारे देश के लिए एक बड़ा नुकसान है। वे पंजाब की संस्कृति और लोगों के साथ जमीनी स्तर पर जुड़े रहे।" उन्होंने ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय और समग्र विकास जैसे मुद्दों को उठाया।

मोदी ने कहा कि ढिंडसा ने हमारे सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए। उन्होंने कहा, "मुझे उनके साथ कई वर्षों तक जानने और विभिन्न मुद्दों पर निकटता से बातचीत करने का सौभाग्य मिला। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं।"

" प्रधानमंत्री ने तीन प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा की, जिनकी कुल लागत 62,000 करोड़ रुपये से अधिक है। प्रधानमंत्री ने इन परियोजनाओं के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया और समय पर पूरा करने के लिए सभी प्रयासों को एकजुट करने की आवश्यकता की बात कही "

विदेशी सामानों के उपयोग से परहेज करने के लिए पीएम की अपील का व्यापारियों ने किया स्वागत

कहा-स्वदेशी उत्पादों के निर्माण एवं बिक्री को ज्यादा सुविधा देने की अपील का होगा व्यापक असर

नई दिल्ली

भाजपा सांसद और कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेशी उत्पादों से परहेज करने की अपील का समर्थन और स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत के प्रति उनके अटूट संकल्प को दशार्ती है। एक ऐसा भारत, जहां देशवासी स्वयं के बनाए उत्पादों का निर्माण, उपभोग और निर्यात करें। चांदनी चौक से भाजपा के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की यह अपील न केवल अर्थव्यवस्था से जुड़ी है, बल्कि यह आत्म-सम्मान, आर्थिक स्वतंत्रता और हमारे देश के स्थानीय उत्पादकों एवं व्यापारियों के सशक्तिकरण का आह्वान है। उनकी अपील को कारगर बनाने के लिए जरूरी है कि व्यापारियों एवं निमार्ताओं को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विजन के तहत सिंगल विंडो व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए, जिससे उनकी विभिन्न विभागों से संबंधित विषयों का एक ही स्थान पर हल हो सके। साथ ही कर एवं अन्य कानूनों एवं नियमों के पालन का बोझ भी कम से कम हो तथा इसके साथ ही आम उपयोग में आने वाली वस्तुएं जो विदेश से आती हैं, उन पर ड्यूटी का अधिभार ज्यादा हो। इससे उनका आयात कम होगा और भारतीय सामान का निर्माण एवं उपयोग अधिक हो सकेगा। कैट महामंत्री यह भी कहा कि प्रधानमंत्री की अपील का मूल भाव यह है कि भारतीय उत्पादों के ही उपयोग की श्रृंखला को शुरू करने हेतु हम कम से कम रोजमर्रा की जरूरतों के लिए स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग करें, जिससे इस दिशा में एक सशक्त कदम तो बढ़े। अभी कुछ वस्तुओं के निर्माण हेतु हमें विदेशी निर्यात पर निर्भर रहना पड़ता है, ऐसी वस्तुओं के स्वदेशी निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाये जाएं। खंडेलवाल ने यह भी कहा की ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा विदेशी सामान बेचा जा रहा है, उन पर भी कढ़ाई से लगाम कसी जाए। खंडेलवाल ने कहा कि यह अपील छोटे व्यापारियों, लघु उद्योग और विनिमार्ताओं की भावना से पूरी तरह मेल खाती है, जो वास्तव में भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। हर विदेशी उत्पाद जिसे हम देशी विकल्प से बदलते हैं, वह हमारे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, रोजगार पैदा करता है और आयात पर हमारी निर्भरता को कम करता है।

ईद उल-अजहा का चांद आज नजर आया, 7 जून को देशभर में मनाई जाएगी बकरीद

नई दिल्ली

मुसलमानों के दूसरे बड़े त्योहार ईद उल-अजहा (बकरीद) का चांद आज नजर आ गया है। देश भर की सभी रूयत-ए-हिलाल कमेटियों ने भारत में 7 जून को ईद-उल-अजहा मनाए जाने की अपील की है। गुरुवार को ईद-उल-अजहा की पहली तारीख होगी। ईद-उल-अजहा चांद की 10 तारीख को मनाया जाता है। जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने बताया कि आज मगरिब की नमाज के बाद जामा मस्जिद की मर्कजी रूयत-ए-हिलाल कमेटी की मीटिंग हुई जिसमें ईद उल अजहा के चांद के निकलने की तस्दीक की गई। देश के अन्य भागों से भी चांद के निकलने की तस्दीक होने के बाद जामा मस्जिद से ईद उल अजहा 7 जून को मनाए जाने का ऐलान किया गया है। उन्होंने बताया कि कल यानी गुरुवार के दिन ईद उल अजहा की पहली तारीख होगी। शाही मस्जिद फतेहपुरी के इमाम डॉ मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने भी ईद उल अजहा के चांद के निकलने की घोषणा करते हुए 7 जून को देश भर के मुसलमान से ईद उल अजहा मनाए जाने की अपील की है। अमारत ए शरीया हिंद ने भी ईद उल-अजहा के चांद निकलने की घोषणा की है। जमीअत उलमा-ए-हिंद मुख्यालय में होने वाली मीटिंग में दिल्ली सहित देश भर के अन्य भागों में चांद निकलने की सूचना मिलने के बाद ईद उल अजहा के चांद निकलने की घोषणा की गई है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 600 रुपये से लेकर 650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,480 रुपये से लेकर 97,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,350 रुपये से लेकर 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने का कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज भी एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

युवा विकसित भारत के निर्माण की सबसे सशक्त नींव : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने को गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आयोजित "प्रतिभा सम्मान समारोह" में भाग लेकर छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों से संवाद किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि युवा ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे सशक्त नींव हैं। उनकी ऊर्जा, प्रतिभा और दृष्टि देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में निर्णायक भूमिका निभा रही है।

उन्होंने कहा कि यह संस्थान केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कार, सेवा भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी विद्यार्थियों में विकसित कर रहा है। संस्थान अपने समर्पण, गुणवत्ता और मूल्यों के साथ दिल्ली के विकास एवं राष्ट्र निर्माण में ऐसे ही सशक्त योगदान देते रहें। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका, महासचिव सरदार जगदीप सिंह कहलो एवं सरदार एमपीएस चड्ढा भी उपस्थित रहे।

स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा और महिलाओं को रोजगार देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध: धामी

देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य के समग्र विकास एवं आम आदमी के जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयास निरंतर जारी हैं। स्थानीय उत्पादों और उद्यमों को बढ़ावा देने के साथ ही महिलाओं और स्थानीय लोगों को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करना हमारी प्रतिबद्धता है। को कैबिनेट बैठक के बाद एक बयान जारी कर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य की जनता का हित हमारे लिए सर्वोपरि है, राज्य हित से जुड़े विषयों पर आज कैबिनेट ने जो महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, वह इस दिशा में की गई महत्वपूर्ण पहल है।

उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमों में संशोधन कर विभिन्न विभागों में अब 10 करोड़ तक के कार्य स्थानीय लोगों के द्वारा किये जायेंगे। स्वयं सहायता समूहों एवं एमएसएमई तथा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए क्रय वरीयता प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखण्ड मेगा इंडस्ट्रियल एवं इन्वेस्टमेंट नीति 2025 को मंजूरी मिलने से राज्य के मैदानी एवं पर्वतीय क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना के लिए और अधिक आधार तैयार होंगे। इससे राज्य की आर्थिकी को भी बढ़ावा मिल सकेगा।

इसके साथ ही उत्तराखण्ड योग नीति 2025 लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इससे बड़ी संख्या में राज्य के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे तथा आम जनता के स्वास्थ्य संवर्धन की राह प्रशस्त होगी।

आर्यन कुमार की जबरदस्त डेब्यू फिल्म 'नफरतें' का दमदार पोस्टर हुआ रिलीज, दिखा इंटेंस अंदाज

दिव्य दिल्ली : इस हफ़्ते अपकमिंग फिल्म नफरतें का पोस्टर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर सनसनी फैल गई। पोस्टर में डेब्यू कर रहे आर्यन कुमार एक बेहद तीखे और रौबदार लुक में नजर आ रहे हैं कैमरे की तरफ उनकी उभरी हुई पीठ, मुंह में सुलगती सिगरेट, और फ्रेम के आग जैसे रंगों में उभरता गुस्सा सब मिलकर एक जबरदस्त प्रभाव छोड़ते हैं। टैगलाइन "नफरत की राख से, मोहब्बत उठती है" फिल्म के दिल में छिपे भावनात्मक संघर्ष की झलक देती है।नफरतें से आर्यन कुमार बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रहे हैं, और उनके इस प्रभावशाली लुक ने पहले ही फैन्स और सिनेप्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। फिल्म में आर्यन के अपोज़िट नजर आएंगी एक्ट्रेस तनिष्क तिवारी।फिल्म का निर्देशन जॉय भट्टाचार्य और उनकी टीम ने किया है, जबकि निर्माण महेंद्र धारीवाल ने किया है जो भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक जाना-पहचाना नाम हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर की अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने ऑपरेशन सिंदूर पर टिप्पणी मामले में अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को मिली अंतरिम जमानत अवधि को अगले आदेश तक बढ़ा दिया है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने ये आदेश दिया। कोर्ट ने 21 मई को इस मामले की जांच के लिए एसआईटी के गठन का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा कि इस मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी महमूदाबाद के खिलाफ दर्ज दो एफआईआर के संबंध में ही होगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि प्रत्येक आदमी को अपनी बात कहने का अधिकार है, लेकिन देश जब चुनौतियों से जूझ रहा हो, सिविलियन पर हमला हो रहा हो, ऐसे मौके पर लोकप्रियता पाने के लिए ऐसा बयान क्यों दिया गया। खान की पोस्ट की भाषा पर सवाल उठते हुए जस्टिस सूर्यकांत ने कहा था कि हमें यकीन है कि वह बहुत शिक्षित है। दूसरों को चोट पहुंचाए बिना बहुत सरल भाषा में अपनी बात कह सकते थ।

राष्ट्रपति भवन में दो दिवसीय साहित्य सम्मेलन का आयोजन

नई दिल्ली

राष्ट्रपति भवन 29 और 30 मई को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में साहित्य अकादमी (संस्कृति मंत्रालय) के सहयोग से साहित्यिक सम्मेलन का आयोजन करेगा।

राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 29 मई को संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और देशभर के साहित्यकारों की मौजूदगी में सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी।

दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर विभिन्न सत्र होंगे और देवी अहिल्याबाई होल्कर की गाथा के साथ इसका समापन होगा। इसमें कवि सम्मेलन-सीधे दिल से, भारत का नारीवादी साहित्यः नई राहें बनाना, साहित्य में बदलाव बनाम बदलाव का साहित्य और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय साहित्य की नई दिशाएँ जैसे सत्र होंगे।

सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर चीन के माल के बहिष्कार के दीर्घकालिक योजना बनाने की मांग की

दिव्य दिल्ली : चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री की ओर से कनॉट प्लेस में 'स्वदेशी अपनाओ, विदेशी भगाओ' कैंपेन चलाया गया। इस दौरान कनॉट प्लेस की दुकानों और शोरूम में कैंपेन के पोस्टर लगाए गए। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से विदेशी सामान का बहिष्कार करने की अपील की गई है। सीटीआई और सभी व्यापारी संगठन सरकार के इस फैसले के साथ हैं। इसी के तहत सीटीआई ने विदेशी माल के खिलाफ कैंपेन की शुरूआत की है। 700 के करीब व्यापारिक और औद्योगिक संगठनों ने इस कैंपेन का समर्थन किया है और अब इस कैंपेन को 100 से ज्यादा बाजरों में चलाया जाएगा। पिछले दिनों पाकिस्तान से हुए तनाव के दौरान चीन और तुर्किये जैसे कुछ देशों ने पाकिस्तान का खुलेआम समर्थन किया था। ये वही देश हैं जो भारत से हर साल अरबों रुपये कमाते हैं। ऐसे में इनके माल पर निर्भरता कम करने की जरूरत है। बृजेश गोयल ने बताया कि इसके लिए सीटीआई की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है कि चीन के सामान पर भारत की बहुत निर्भरता है। चीन अपने कुल निर्यात का 14 प्रतिशत सामान भारत में भेजता है, ऐसे में तुरंत इसका बहिष्कार संभव नहीं हैं। इसलिए सरकार को दीर्घकालिक योजना बनाने की जरूरत है और चरणबद्ध तरीके से इसे कम करने की जरूरत है। पहले फेज में सरकार को चीन से आने वाली उन चीजों को बैन करना चाहिए, जो भारत में अच्छे लेवल पर बन रहे हैं , खिलौने, कपड़े, स्टील, जूलरी, फुटवियर कुछ ऐसे सेक्टर हैं, जिनमें भारत में भी अच्छा काम हो रहा है। ऐसे में उसे बैन किया जा सकता है। इसके बाद दूसरे फेज में उन चीजों के विकल्प तलाशने चाहिए, जिन पर भारत पूरी तरह चीन पर निर्भर है। इनमें मशीनरी, एग्रीकल्चर, मोटर पार्ट्स, मोबाइल और कंप्यूटर से जुड़ी आइटम्स आदि टेक्नोलॉजी से जुड़े सेक्टर शामिल हैं। इसके अलावा सीटीआई ने पत्र में मांग की है कि कंपनियों को 'कंट्री ऑफ ओरिजिन' नियम का पालन करने के लिए बाध्य किया जाए। सभी कंपनियां और ई-कॉमर्स साइट्स हर आइटम्स के बारे में बताएं कि यह सामान कहां से आया है। इसके अलावा तमाम विभागों में हो रहे भ्रष्टाचार पर भी नकेल कसने की जरूरत है और साथ ही व्यापारियों को रियायत मिलनी चाहिए। बृजेश गोयल ने बताया कि पीएम मोदी ने ऐसी विदेशी वस्तुओं की लिस्ट मांगी थी जो भारत के घर घर में इस्तेमाल होती हैं, सीटीआई की ओर से ऐसी 100 वस्तुओं की लिस्ट तैयार की जा रही है जिसको कि जल्द ही पीएम मोदी ी को भेजा जाएगा , कैंपेन में राजेश खन्ना, राजेश आहुजा, माधव खन्ना, नईम राजा, भानू प्रताप, मंजीत सिंह, चंद्रपाल, श्रुति ग्रोवर, अंजू शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397